RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 38 ता. 03 अगस्त 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

वायनाड त्रासदी- राहुल गांधी का वादा, कांग्रेस परिवार 100 से ज्यादा घर बनाकर देगा

वायनाड। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं को केरल के वायनाड के चूरलमाला, मेप्पाडी में जिला प्रशासन, वन अधिकारियों ने जानकारी दी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने कहा कि वह कल से ही यहां हैं, हम घटनास्थल और शिविरों में गए थे, हमने यहां की स्थिति का आकलन किया। प्रशासन, पंचायत के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि हमें संभावित हताहतों की संख्या, क्षतिग्रस्त हुए घर और उनकी रणनीति के बारे में जानकारी मिली है। हम यहां हर संभव मदद करने के लिए हैं। कांग्रेस परिवार, यहां 100 से ज्यादा घर बनाने का वादा करना चाहता है। यह एक भयानक त्रासदी है, केरल ने एक क्षेत्र में इस तरह की त्रासदी नहीं देखी है। राहुल ने कहा कि वह इस मुद्दे को दिल्ली में और केरल के मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाएंगे कि इसका अलग तरीके से निपटारा किया जाना चाहिए। यह एक अलग स्तर की त्रासदी है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी गुरुवार को केरल के वायनाड पहुंचे थे। जहां हाल ही में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड हुआ था जिसमें कई लोगों की जान जा चुकी है और अभी भी कई लापता हैं।

हिमाचल में संकट का दौर.....आठ स्कूली बच्चे लापता

समेच गांव के 34 लोग लापता

शिमला । हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। शिमला, कुल्लू और मंडी जैसे तीन इलाकों में बादल फटने से कई लोगों की मौत हुई और हादसे में 50 लोग लापता हैं। अब समेज गांव के आठ स्कूली बच्चों के लापता होने की खबर है। लापता बच्चों में सात लड़कियां और एक छात्र शामिल है। लापता हुए सभी छात्र बैडमिंटन और वॉलीबॉल के खिलाड़ी हैं। स्कूल के प्रिंसिपल अरविंद ने कहा कि लापता छात्रों में 12वीं क्लास के हैं, 4 मैट्रिक और 6वीं और 9वीं कक्षा के एक-एक छात्र शामिल है। ये सभी छात्र स्थानीय निवासी थे। ये सभी बैडमिंटन और वॉलीबॉल खिलाड़ी थे। प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे हिमाचल में शुक्रवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस हुए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में भूकंप के झटके महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.2 की रही। हालांकि, इसमें किसी तरह के जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। रामपुर के समेच गांव के 34 लोग लापता हैं, इसमें 18 महिलाएं शामिल हैं। वहीं, मंडी के रामबन गांव तक जाने वाले सभी रास्ते क्षतिग्रस्त हैं। जगह जगह झरने बह रहे हैं। मलबा-कीचड़ और चट्टानें राहत और बचाव दलों को हर एक कदम पर चुनौती दे रहे हैं।

ईडी ने राशन घोटाले मामले में टीएमसी नेता से की 14 घंटे पूछताछ फिर किया गिरफ्तार

कोलकाता। ईडी ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा से तृणमूल कांग्रेस के नेता को करोड़ों रुपए के राशन वितरण घोटाले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि ईडी ने टीएमसी के देगंगा ब्लॉक अध्यक्ष अनीस उर- रहमान और उनके बड़े भाई को गुरुवार देर रात कोलकाता स्थित कार्यालय में करीब 14 घंटे तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि रहमान और उनके भाई को राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें चिकित्सकीय जांच के बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा। रहमान बंगाल के पूर्व वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक के करीबी हैं। ईडी पूर्व मंत्री को घोटाले के सिलसिले में पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। अधिकारी ने बताया कि ईडी अधिकारियों ने चावल मिल मालिक और पूर्व मंत्री के एक अन्य करीबी बारिक विश्वास को शुक्रवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। उन्होंने बताया कि ईडी ने मंगलवार को बारिक विश्वास के आवास और चावल मिल पर छापेमारी के दौरान 40 लाख रुपए से ज्यादा की नकदी और संयुक्त अरब अमीरात में संपत्तियों में निवेश के संबंध में कुछ दस्तावेज जब्त किए थे।

हरिद्वार में कांवड़ मेला सकुशल संपन्न

जिलाधिकारी एवं SSP ने प्रजापति मंदिर में किया जलाभिषेक

हरिद्वार: (एजेंसी)

धर्मनगरी हरिद्वार में चल रहा कांवड़ मेला आज सकुशल संपन्न हो गया है। जिसके बाद हरिद्वार के जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल और एसएसपी हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने गंगा पूजन कर हरकी पौड़ी से गंगाजल लेकर हरिद्वार स्थित कनखल के दक्ष प्रजापति मंदिर में जलाभिषेक किया। इस दौरान प्रशासनिक और पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने पुलिस एवं प्रशासन का किया आभार व्यक्त

जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने कहा कि मेला सकुशल संपन्न करने के लिए प्रशासन एवं पुलिस विभाग ने समन्वय से काम किया। धर्मनगरी में ये कांवड़ मेला सभी लोगों के सहयोग से विशेष कर पुलिस एवं प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय लोगों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से निर्विघ्न संपन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि लगभग 4 करोड़ 25 लाख कांवड़िए इस बार कावड़ मेले में आए और जल भरकर रवाना हुए। उन्होंने आगे कहा कि आज का दिन बहुत ही पवित्र दिन है इसलिए वह गंगा पूजन एवं जलाभिषेक कर रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने सभी शिव भक्त कावड़ियों के लिए मां गंगा से प्रार्थना करते हुए कहा कि सबकी मनोकामना पूर्ण हो।

पुलिस फोर्स ने दिन रात किया काम- एसएसपी

हरिद्वार के एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने कहा कि मेला सकुशल संपन्न करवाने में पुलिस फोर्स ने दिन रात काम किया और 15 दिनों तक चले इस कांवड़ मेले में भारी भीड़ के बावजूद जाम की स्थिति नहीं पैदा होने दी। उन्होंने इसके लिए प्रशासन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं पुलिस के आला अधिकारियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक द्वारा उन्हें पर्याप्त पुलिस फोर्स उपलब्ध कराई गई थी। वहीं एसएसपी ने मेला सकुशल संपन्न कराने में लगे सभी पुलिसकर्मियों एवं सामाजिक संस्थाओं, स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया और ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि यहां जल लेने आए सभी कांवड़ियों की मनोकामना पूर्ण हो।

राज्यपाल सम्मेलन: एक समृद्ध अनुभव होगा और कामकाज में मदद मिलेगी : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिली। (एजेंसी)

दिल्ली में शुक्रवार से शुरू हुई दो दिनी राज्यपाल कांफ्रेंस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यपालों को संबोधित किया। सम्मेलन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सम्मेलन का विचार-विमर्श प्रतिभागियों के लिए एक समृद्ध अनुभव होगा और उन्हें अपने कामकाज में मदद मिलेगी। मुर्मू ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरीबों और वंचित वर्गों के विकास, युवा विकास, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक खेती सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

इस कार्यक्रम में केंद्र द्वारा तय एजेंडे पर किए गए काम की समीक्षा होगी। एमपी के विधानसभा चुनाव के पहले राज्यपालों की भूमिका में बदलाव कर केंद्र ने अंतर्राज्यीय मुद्दों को लेकर हर राज्यपाल को पड़ोसी राज्य के साथ बैठक करने के निर्देश दिए थे। इसके चलते प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ सहित कुछ राज्यों के साथ बैठक भी की है। बैठक में एमपी के सीमावर्ती जिलों और दूसरे राज्यों के एमपी से सटे सीमावर्ती जिलों की समस्याओं, बड़ी परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई थी। अब दिल्ली में हो रही राज्यपाल कांफ्रेंस में इन मसलों पर केंद्र की ओर से रिपोर्ट ली जाएगी और अब तक की गई बैठकों की समीक्षा भी की जाएगी। राज्यपाल के दिल्ली प्रवास और दिल्ली में होने वाली बैठक के मद्देनजर राज्य सरकार ने संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर विभाग से संबंधित अपडेट जानकारी राज्यपाल को सौंपी है।

इस दो दिनी कांफ्रेंस के पहले 10 राज्यों के राज्यपाल बदले हैं या उनके राज्य बदले गए हैं। राजभवन सूत्रों के अनुसार राज्यपालों की भूमिका में बदलाव समय के साथ हुआ है। इस कारण कांफ्रेंस में राष्ट्रपति मुर्मू राज्यपालों को कुछ और जिम्मेदारी भरे काम सौंप सकती हैं।

मणिपुर में जागी शांति की उम्मीद.....मेइती और हमार समुदाय के बीच सहमति

नई दिली । (एजेंसी)

मणिपुर के हालात सामान्य होने का इंतजार पूरा देश कर रहा है। वहीं राज्य और केंद्र भी तमाम उपायों के माध्यम से कानून व्यवस्था की स्थिति को बहाल करने की कोशिशों में लगी हुई हैं। यह कोशिशें रंग लाईं जब मेइती और हमार समुदायों के प्रतिनिधियों ने मणिपुर के हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले में शांति बहाली के लिए हर संभव प्रयास करने पर सहमति जाहिर की।

एक जिले में शांति पर बात बनना कोई कम उपलब्धि नहीं है। इसलिए देश को उम्मीद है कि जिरीबाम जिले में शांति स्थापित होने के बाद पूरे राज्य में भी शांति और समृद्धि आएगी।

बता दें कि अधिकारियों ने बताया है कि असम के कछार में के'द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक प्रतिष्ठान में हुई बैठक में दोनों पक्षों के बीच यह समझौता हुआ। बैठक का संचालन जिरीबाम जिला प्रशासन, असम राइफल्स और सीआरपीएफ ने किया।

बैठक में जिरीबाम जिले के थाडौ, पैते और मिजो समुदायों के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक के बाद इन समुदायों के प्रतिनिधियों द्वारा जारी संयुक्त बयान में कहा गया, ''बैठक में यह संकल्प लिया गया कि दोनों पक्ष सामान्य स्थिति बहाल करने तथा आगजनी और गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के लिए हर संभव प्रयास होगा। दोनों पक्ष जिरीबाम जिले में कार्यरत सभी सुरक्षा बलों को पूर्ण सहयोग देने वाले हैं। बताया जा रहा है कि अगली बैठक 15 अगस्त को होगी।

मध्य पूर्व में बढ़ा तनाव.....

एअर इंडिया ने रदद की उड़ान

दिल्ली से तेल अवीव और तेलअवीव से दिल्ली उड़ान निलंबित

नई दिली । (एजेंसी)

एअर इंडिया ने मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण इजरायल के तेल अवीव से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। एयरलाइन ने कहा कि उड़ान संचालन 8 अगस्त तक निलंबित रहेगी।

एयरलाइन का बयान

बयान में कहा गया है, मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में चल रही स्थिति को देखकर 08 अगस्त 2024 तक तत्काल प्रभाव से तेल अवीव से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों के निर्धारित संचालन को निलंबित किया है। इस अवधि के दौरान तेल अवीव से आने-जाने के लिए कंफर्म बुकिंग वाले अपने यात्रियों को सहायता प्रदान कर रहे हैं... हमारे मेहमानों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एअर इंडिया हर सप्ताह दिल्ली से तेल अवीव के लिए चार उड़ानें संचालित करती है। एयर इंडिया ने कहा कि उसने परिचालन कारणों से 1 अगस्त को दिल्ली से तेल अवीव जाने वाली अपनी उड़ानें और तेल अवीव से दिल्ली जाने वाली अपनी उड़ानों को रद्द किया है। बता दें कि तेहरान में हमास चीफ इस्माइल हनिया और इससे पहले हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर की हत्या के बाद इजरायल ने दुनिया भर में अपने राजनयिक मिशनों की सुरक्षा बढ़ा दी है। दोनों देशों के बीच तनाव ने बाकी देशों के लिए भी चिंता बढ़ा दी है।

इन देशों ने जारी की एडवाइजरी

एडवाइजरी जारी करने वाले देशों में ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। 31 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया ने जो एडवाइजरी जारी की है, उसमें कहा गया, हम लगातार सलाह दे रहे हैं कि अस्थिर सुरक्षा स्थिति के और बिगड़ने के जोखिम के कारण ऑस्ट्रेलियाई लोग लेबनान की यात्रा न करें'। लेबनान से ऑस्ट्रेलियाई लोगों को तुरंत निकल जाना चाहिए, कमर्शियल फ्लाइट उपलब्ध हैं।

राज्यसभा में सांसदों ने उठाया अपने-अपने क्षेत्रों की समस्या

नई दिली । (एजेंसी)

राज्यसभा में सदस्यों ने हिमाचल प्रदेश को आपदा सहायता राशि मुहैया कराने से लेकर 'गिग वर्कर' के शोषण को रोकने और छत्तीसगढ़ के जगदलपुर और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से दिल्ली तक सीधी हवाई सेवा शुरू करने की मांग की। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने हिमाचल में भारी बारिश और बादल फटने का मुद्दा उठाकर कहा कि वहां हुई क्षति की भरपाई के लिए केन्द्र सरकार को जल्द से जल्द पर्याप्त राशि देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य को पिछले वर्ष आपदा से हुए नुकसान की भरपाई नहीं हुई है।

द्रमुक के तिरुचि शिवा ने निजी कंपनियों द्वारा गिग कर्मचारियों का शोषण करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में करोड़ों रूपये का कारोबार है और कोरोना काल ने इस तरह के कार्यों के महत्व को बखूबी रेखांकित किया है। निजी क्षेत्र की कंपनी अब 'गिग वर्कर' जिनमें मुख्य रूप से वस्तुओं की डिलिवरी करने वाले कर्मचारी आते हैं, उनका शोषण कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें श्रमिक कानूनों का लाभ नहीं मिलता। इन कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा कानूनों का फायदा मिलाना चाहिए और इसके लिए नेशनल फेमवर्क बनाया जाना चाहिए।

बीजू जनता दल के मुजीबुल्ला खान ने नई दिल्ली से छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर को सीधी हवाई सेवा से जोड़ने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह एक पर्यटन स्थल भी है। यह ओडिशा से भी लगता हुआ क्षेत्र है। इस विमान सेवा से ओडिशा के क्षेत्रों को भी लाभ होगा। भाजपा की संगीता बलवंत ने कहा कि गाजीपुर से पांच किलोमीटर की दूरी पर अंधऊ में द्वितीय विश्व युद्ध के समय की हवाई पट्टी है, जिस पर चार्टर्ड विमान उतरते रहते हैं। उन्होंने कहा कि इस हवाई पट्टी से दिल्ली के लिए व्यावसायिक उड़ान शुरू की जानी चाहिए। इससे आस पास के कई जिलों के लोगों को आवागमन का सुगम साधन मिल सकेगा। अभी इन लोगों को उड़ान पकड़ने के लिए वाराणसी या गोरखपुर जाना पड़ता है। कांग्रेस की जे बी माथेर ने केरल में रेल नेटवर्क बढ़ने की मांग करते हुए कहा कि बजट में राज्य के लिए इस मद में बहुत कम प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि केरल में रेलवे की कुछ परियोजनाओं पर कार्य बहुत धीमी गति से हो रहा है, इसमें तेजी लाई जानी चाहिए।

पुराना इंफ्रास्ट्रक्चर बाढ़-भूकंप सब सह गया, नया वाला पानी में बह गया?

नई दिली। (एजेंसी)

बारिश और बाढ़ में डूबते शहर, हमारे देश की अलग-अलग सरकारों में जितना भी इन्फ्रास्ट्रक्चर बना, वो इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत क्यों नहीं है? जबकि इसी देश में मुगलों, हिंदू राजाओं और अंग्रेजों के जमाने में बने पुल, इमारतें और बड़े-बड़े भवन आज भी उसी रूप में सुरक्षित हैं। दिल्ली में गुलाम वंश के शासक कुतुबुद्दीन ऐबक ने 13वीं शताब्दी में कुतुब मीनार का निर्माण कराया था। ये कुतुब मीनार पिछले 800 वर्षों से बारिश, तूफान और यहां तक कि हजारों भूकंप सह चुकी है लेकिन कभी ये ध्वस्त होकर नीचे नहीं गिरी। इसी तरह जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने आज से लगभग 1200 वर्ष पहले आठवीं शताब्दी में केदारनाथ मंदिर का निर्माण कराया था। एक समय ऐसा भी आया, जब ये मंदिर पूरे 400 वर्षों तक बर्फ के नीचे दबा रहा और यहां कई बार बाढ़ भी आई। लेकिन 1200 वर्षों के बाद भी ये मंदिर अपने मूल रूप में ही सुरक्षित है। इसी तरह अंग्रेजों ने वर्ष 1942 में कलकत्ता में हुगली नदी पर हावड़ा ब्रिज का निर्माण कराया था और आज 82 वर्षों के बाद भी अंग्रेजों द्वारा बनाया गया ये हावड़ा ब्रिज पूरी तरह से सुरक्षित है। इसी तरह वर्ष 1920 में अंग्रेजों ने मुंबई शहर में नरीमन पॉइंट को मालाबार हिल्स से जोड़ने के लिए अरब सागर के साथ एक दीवार खड़ी की थी जिसके साथ मरीन ड्राइव का निर्माण किया गया था और ये दीवार भी आज 104 वर्षों के बाद पूरी तरह से सुरक्षित है जबकि समुद्र की ताकतवर लहरें हर दिन इस दीवार से टकराती हैं। मुंबई की जिस इमारत में बीएमसी का दफ्तर है, उस इमारत का निर्माण वर्ष 1893 में अंग्रेजों द्वारा किया गया था। आज बीएमसी का दफ्तर अंग्रेजों द्वारा बनाई गई इस बिल्डिंग में है और ये बिल्डिंग आज भी बारिश, तूफान, आंधी और कई भूकंप को सहने के बाद भी सुरक्षित है। लेकिन इस दफ्तर में बैठकर बीएमसी के अधिकारी मुंबई में जो इन्फ्रास्ट्रक्चर बना रहे हैं, वो कुछ वर्ष भी टिक नहीं पाता है। यही स्थिति दिल्ली के इंडिया गेट, लाल किला और आगरा के ताजमहल की है, जो तीन सदियों के बाद भी सुरक्षित हैं। महाराष्ट्र में हर साल नए इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 74 हजार करोड़ रुपये, दिल्ली में 11 हजार करोड़ रुपये, हरियाणा में सादे 18 हजार करोड़ रुपये, हिमाचल प्रदेश में 5 हजार करोड़ रुपये, उत्तराखंड में 13 हजार करोड़ रुपये और उत्तर प्रदेश में 1 लाख 47 हजार करोड़ रुपये हर साल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च होते हैं। लेकिन ये इन्फ्रास्ट्रक्चर एक ही बारिश में दम तोड़ देता है और आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत में कंक्रीट रोड की औसत उम्र 25 वर्ष होनी चाहिए लेकिन ऐसी ज्यादातर सड़कें 4 वर्षों में ही दम तोड़ देती हैं। बताते हैं कि हमारे नए और पुराने इन्फ्रास्ट्रक्चर में क्या फर्क है? आज हमारे देश में नई-नई सड़कें, एक्सप्रेस-वे, बिल्डिंग, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन बन रहे हैं, लेकिन वो एक बारिश में ही दम तोड़ना शुरू कर देते हैं। पानी अंदर भर जाता है या छत लीक करने लगती है

और ये स्थिति भी तब है, जब हमारे देश में हर साल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सरकारें 10 से 11 लाख करोड़ रुपये खर्च करती हैं। दिल्ली का हर व्यक्ति सरकार को सालाना 80 हजार रुपये का टैक्स देता है। गुरुग्राम में ढाई लाख रुपये, मुंबई में सवा दो लाख रुपये, बेंगलूरु में डेढ़ लाख रुपये, अहमदाबाद में 70 हजार रुपये और चेन्नई में हर व्यक्ति सरकार को सालाना 75 हजार रुपये का टैक्स देता है।

राहुल गांधी झूठ का नैरेटिव और झूठ की खेती करते हैं: केंद्रीय मंत्री गिरिराज

नई दिल्ली। (एजेंसी)

इडी छापेमारी को लेकर किए गए राहुल गांधी के दावे पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी झूठ का नैरेटिव और झूठ की खेती करते हैं। राहुल गांधी हतोत्साहित हैं। इसलिए यह झूठी अफवाह फैला रहे हैं इससे बड़ा झूठा विपक्ष का नेता आज तक नहीं बना है। राहुल गांधी अपनी जाति बताने के डर से ऐसे बयान दे रहे हैं।

राहुल गांधी के दावे के बाद अब इस मुद्दे पर सियासत शुरू हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं ने राहुल गांधी के समर्थन में सरकार पर निशाना साधा है। सांसद संजय राउत ने कहा है कि जो भी सरकार के खिलाफ बोलता है तो सरकार उसके खिलाफ साजिश रचती है। हमें कुछ भी हो सकता है। राहुल गांधी पर हमले भी हो सकते हैं। विदेश में साजिश रची जा रही है। सरकार राहुल गांधी से डर हुई है। विपक्षी नेताओं पर गुंडों की मदद से हमले किए जा सकते हैं।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को छापेमारी के बारे में जानकारी होगी। जब-जब सरकार डरती है, एजेंसी को आगे करती है। ये सरकार डरी हुई सरकार है। एजेंसी के तहत डराने की कोशिश करते हैं। लेकिन हम लोग डरने वाले नहीं हैं। राहुल गांधी के ट्वीट के बाद कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने एजेंसियों के दुरुपयोग पर लोकसभा में चर्चा के लिए संसद में नोटिस भी दिया है। दरअसल, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को बड़ा दावा करते हुए कहा है कि ईडी संसद में उनके चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद उन पर छापेमारी करने की योजना बना रही है। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि ईडी के अंदरूनी लोगों ने उन्हें इसकी जानकारी दी है।

एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने लिखा-जाहिर है, टू इन वन को मेरा चक्रव्यूह भाषण पसंद नहीं आया। ईडी के अंदरूनी लोगों ने मुझे बताया कि छापेमारी की योजना बनाई जा रही है। बांह फैलाकर ईडी का इंतजार कर रहा हूं, चाय और बिस्कुट मेरी तरफ से। बता दें कि 29 जुलाई को लोकसभा में बजट पर बोलते हुए राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला किया था। उन्होंने कहा था कि देश के किसान, मजदूर और युवा डरे हुए हैं।

उन्होंने कमल के प्रतीक को प्रमुखता से प्रदर्शित करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और दावा किया कि 21वीं सदी में एक नया चक्रव्यूह बनाया गया है।

दादा पर ममता की मेहरबानी......1 रुपये लीज पर 350 एकड़ जमीन

कोलकाता हाईकोर्ट पहुंचा मामला

कोलकाता । (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और क्रिकेटर रहे सौरभ गांगुली को जमीन देने का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल जनहित याचिका में सीएम ममता बनर्जी सरकार के 350 एकड़ जमीन देने पर सवाल खड़े किए गए हैं। याचिका में कहा गया है कि ममता सरकार ने गांगुली को सिर्फ 1 रुपये की लीज पर 350 एकड़ जमीन पट्‌टे पर दी है। इस पीआईएल पर सुनवाई चिटफंड मामलों के लिए गठित खंडपीठ में होगी।

ममता सरकार ने गांगुली को यह जमीन एक स्टील फैक्ट्री स्थापित करने के लिए दी है। जनहित याचिका में गांगुली को मामूली रकम में जमीन सौंपने के राज्य के फैसले को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि हाईकोर्ट ने छोटे जमाकर्ताओं की जमा राशि वापस करने के तरीके सुझाने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश एसपी तालुकदार की अध्यक्षता में समिति गठित की थी। याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि ममता सरकार ने गांगुली को जमीन तब दी जब जब्त की गई जमीन की स्थिति के बारे में कोई स्पष्टता नहीं थी। पीआईएल दाखिल करने वाले शेख मसूद के वकील शुभाशीष चक्रवर्ती ने कहा कि राज्य को प्रयाग समूह की संपत्ति जब्त करनी होगी और जमाकर्ताओं को पैसा लौटाना होगा। इसतरह चंद्रकोणा की जमीन भी बेचनी थी और मालिकों का पैसा लौटाना था, लेकिन ममता सरकार ऐसा नहीं कर रही है। यह भी सवाल खड़ा किया गया है कि ममता सरकार वह जमीन किसी को कैसे दे सकती है। वह जमीन जमाकर्ताओं के पैसे से खरीदी गई थी और जमाकर्ताओं को लौटाना सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार ने इस पीआईएल को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बीआरए विश्विद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में महज 12.43 प्रतिशत विद्यार्थी पास

मुजफ्फरपुर । (एजेंसी)

मुजफ्फरपुर की बीआरए बिहार विश्विद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में साल 2024 में मात्र 12.43 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं।

बता दें कि इस साल की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 3300 छात्रों ने फॉर्म भरा था जिसमें 1625 ने परीक्षा दी थी। इसमें मात्र 202 छात्र पास हुए। परीक्षा नौ जून को पांच केंद्रों पर हुई थी। पहली बार पैट में गणित, इलेक्ट्रानिक्स और पर्सियन में एक भी परीक्षार्थी ने क्वालिफाई नहीं हुआ। बीआरए विश्विद्यालय में पीएचडी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने जारी किया। इसमें सिर्फ 12.43 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं। इस साल की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 3300 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था जिनमें से 1625 ने परीक्षा दी थी। इसमें से महज 202 ही पास कर सके हैं। सबसे ज्यादा कॉमर्स विषय में 32 परीक्षार्थी पास हुए हैं। कुलपति ने कहा कि पैट का रिजल्ट पूरी तरह से सही तरीके से तैयार किया गया है। रिजल्ट अब सभी विभागाध्यक्षों को भेजा जाएगा। विवि की ओर से अभी लिखित परीक्षा का नंबर जारी नहीं किया जा रहा है। छात्रों के इंटरव्यू के बाद फाइनल रिजल्ट में नंबर का पता चलेगा। पीएचडी में दाखिले के लिए इंटरव्यू की प्रक्रिया अगस्त में होगी। इंटरव्यू की प्रक्रिया के लिए सभी विभागाध्यक्ष तारीख दे। पीएचडी में सीटें भी इंटरव्यू के बाद ही तय होगी, इंटरव्यू 20 नंबर का होगा। पैट का फाइनल रिजल्ट लिखित, इंटरव्यू और एकेडमिक के प्वाइंट के आधार पर तैयार होगा। कुलपति ने बताया कि पैट 2022 के अंतिम रिजल्ट के बाद पैट 2023 के लिए भी एक बार पोर्टल खोला जाएगा। कुलपति ने बताया कि पैट 2023 की परीक्षा अक्टूबर में होने की उम्मीद है। अब तक करीब 2200 आवेदन आ चुके हैं। पीएचडी 2023 के लिए बिहार विवि पहले ही सीटें जारी करेगा।

सरमा का राहुल गांधी पर तंज, सबकी पूछते हैं.....उनकी जाति पूछने पर नाराज

सोरेन सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रही

रांची ।(एजेंसी)

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अजीब चीज हैं। वे एक ओर जगह-जगह पत्रकारों से उनकी जाति पूछते हैं और जब लोगों ने उनकी जाति पूछ ली, तब वे सवाल उठाते हैं कि मेरी जाति क्यों पूछी? आखिर अगर राहुल गांधी जातीय जनगणना कराना चाहते हैं तब बिना जाति पूछे यह कैसे संभव होगा? सरमा ने कहा, राहुल गांधी अजीब चीज हैं...वे क्या करते हैं, क्या बोलते हैं...बहुत ही दिक्कत वाले व्यक्ति हैं। उन्होंन कहा कि मेरे पास वीडियो है, जिसमें राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय में एक पत्रकार से उसकी और उसके मालिक की जाति पूछ रहे हैं। इसतर उत्तर प्रदेश में भी एक अन्य पत्रकार से पूछा कि तुम ओबीसी हो क्या? उन्होंने जाति के सवाल इस तरह से पूछे थे कि लोग उन्हें मारने के लिए तैयार हो गए थे।

सरमा ने कहा कि राहुल गांधी की सामंतवादी सोच है कि सबकी जातीय जनगणना हो, लेकिन खुद उनसे उनकी जाति नहीं पूछी जाए। वे चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी, हिमंता बिस्वा सरमा, अनुराग ठाकुर और अमित शाह अपनी जाति बताएं लेकिन मैं अपनी नहीं बताऊंगा, क्योंकि मेरे नाम के आगे गांधी लिखा हुआ है। ऐसा हो सकता है क्या? सरमा झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हैं। वे दो दिनों के झारखंड दौरे पर हैं। उन्होंने छात्रों से मुलाकात के बाद आरोप लगाया था कि झारखंड में झामुमो-कांग्रेस-राजद की गठबंधन सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है।

क्या नई शिक्षा नीति में बिना प्राध्यापकों के पढ़ाई होती है सांसद सैलजा

-कॉलेजों में प्राध्यापक नहीं, छात्रों के भविष्य से सरकार कर रही खिलवाड़

सिरसा।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कॉलेजों का नया सत्र शुरू हो चुका है लेकिन कॉलेजों में प्राध्यापक तक नहीं है ऐसे में विद्यार्थियों की पढ़ाई कैसे होगी उस पर कहा जा रहा है कि नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षण कार्य होता है। सैलजा ने कहा कि क्या नई शिक्षा नीति में बिना प्राध्यापकों के पढ़ाई होती है। सरकार हर बार झूठ बोलती है, पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट तक सरकार को निर्देश दे चुके हैं । ऐसा लग रहा है कि प्रदेश सरकार ने युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का मन बना लिया है। मीडिया को जारी बयान में सांसद सैलजा ने कहा है कि प्रदेश सरकार शिक्षा खासकर महिला शिक्षा को लेकर गंभीर नहीं है, शिक्षा को लेकर सरकार की ओर से की कई घोषणाएं की गई हैं जो हवा-हवाई साबित हो रही है। सरकार बार बार घोषणा करती है कि महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर बीस किलोमीटर पर एक महिला महाविद्यालय खोला जाएगा पर ऐसा अभी तक नहीं हुआ है। आज भी महिला कॉलेज खोलने के लिए लोग मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार बहाना बनाकर उसे टाल देती है। जहां लोगों ने ज्यादा शोर मचाया तो वहां पर एक या दो कमरों ही कॉलेज शुरू करवा दिया। अब वहां पर विद्यार्थी कहां पर बैठेंगे और प्राध्यापक कहां। यह भी एक समस्या है। अभी तक तो सरकार ने कॉलेज खोलने के लिए भूमि तक का चयन नहीं किया है। प्रदेश में प्राध्यापकों की कमी है, सरकार भर्ती को लेकर गंभीर ही नहीं है। सरकार ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में एक शपथ पत्र देकर कबूल किया है कि राज्य में 4738 प्राध्यापकों के पद जो कुल पदों का 60 फीसदी है, रिक्त हैं। इसका उल्लेख डीडब्ल्यू की 21168/2021 के फैसले में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में 20 सितंबर 2023 को दिया था में उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में अप्रैल 22/2024 को रिट पटिशन 24619 के प्वाइंट नंबर 13 में साफ लिखा है कि सरकार द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए जिन लोगों को नियुक्त किया है वह अयोग्य है।

मध्यप्रदेश की ब्लैक लिस्टेड कंपनी को धौलपुर में 650 करोड़ का काम

विधानसभा में उठा था मामला, मंत्री ने दिया जांच का भरोसा

धौलपुर ।

राजस्थान के धौलपुर जिले में कालीतीर सिंचाई लिफ्ट परियोजना का टेंडर लेने वाली फर्म मैसर्स जीवीपीआरईएल-कृष्णा कारपोरेशन (ज्वाइंट वेंचर) को दिए गए ठेके और शर्तों की जल्दी ही जांच होगी। अगर इसमें शर्तों का किसी तरह से उल्लंघन होने पर संबंधित ठेकेदार फर्म पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जल संसाधन विभाग के मंत्री सुरेश सिंह रावत ने राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह भरोसा दिलाया।

इसके पहले विधायक शत्रुघ्न गौतम ने जानना चाहा कि वर्ष 2023-24 में जल संसाधन विभाग को कुल कितना बजट मिला। क्या आवंटित बजट से भी ज्यादा राशि के टेंडर जारी किए गए हैं। यदि हां तब किस नियम के तहत किस फर्म को यह टेंडर दिया गया। उन्होंने जानना चाहा कि धौलपुर में जीवीपीआर को कौन सा कार्य किस दर पर दिया गया। क्योंकि टेंडर लेने वाली फर्मों में एक मध्य प्रदेश की है जो वहां पर ब्लैक लिस्टेड है। जबकि इस ज्वाइंट वेंचर फर्म को 650 करोड़ रुपए का टेंडर दिया गया है। इस सवाल पर जल संसाधन मंत्री रावत ने बताया कि नियमानुसार टेंडर लेने वाले संवेदक से इस तरह की सभी शर्तों को लेकर शपथ पत्र लिया जाता है। अगर मैसर्स जीवीपीआरईएल-कृष्णा कारपोरेशन (ज्वाइंट वेंचर) द्वारा तथ्यों को छिपाकर ऐसा कोई शपथ पत्र दिया गया है, तब उसकी जांच की जाएगी और संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार फर्म के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके पहले मंत्री ने बताया कि प्रदेश में जल संसाधन विभाग को उसकी योजनाओं के लिए वर्ष 2023-24 में संशोधित अनुमान के अनुसार 4854.36 करोड रुपए का बजट ओं वटित हुआ था। विभाग द्वारा परियोजनाओं की डीपीआर तैयार कर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की जाती हैं। इन परियोजनाओं को पूर्ण करने की अवधि सामान्यतया एक वर्ष से अधिक होती है, जिससे बजट की मांग वर्षवार, अनुमानित की जाती है तथा परियोजना पर कार्य करवाए जाने के लिए निविदा/निविदाएं आंमत्रित की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

ईडी हुई बुलडोजर पर सवार

सपा सांसद कुशवाह की बेशकीमती जमीन जप्त

अवैध निर्माण तोड़ने बुलडोजर लेकर पहुंची थी ईडी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जौनपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा की करोड़ों की भूमि जप्त कर ली है। खास बात यह है कि ईडी टीम ने अवैध निर्माण तोड़ने के लिए बुलडोजर भी हायर कर रखा था, जिसे देख लोग हैरान हुए बिना नहीं रह सके। गौरतलब है कि सपा सांसद कुशवाहा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनएचआरएम) घोटाले के आरोपी रहे हैं। घोटाले के समय वे यूपी में परिवार कल्याण मंत्री के तौर पर सरकार में खास जिम्मेदारी निभा रहे थे। इस मामले में वे 4 साल जेल में रहे। जानकारी अनुसार, जौनपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद और बसपा सरकार में मंत्री रहे बाबू सिंह कुशवाहा की बेशकीमती जमीन पर ईडी ने कार्रवाई कर दी है। सांसद कुशवाहा की करोड़ों की जमीन लखनऊ के सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र स्थित स्कूटर इंडिया के समीप है। चूंकि सांसद कुशवाहा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन यानी एनआरएचएम घोटाले के आरोपी रहे और ईडी टीम पीएमएलए मामले में जांच कर रही थी अतः इस कार्रवाई को उससे जोड़कर देखा जा रहा है। तमाम जांच-पड़ताल उपरांत प्रवर्तन निदेशालय ने लखनऊ स्थित करोड़ों की जमीन को जप्त करने का काम किया है।

बड़ी चालाकी से पीएमएलए कानून को मजबूत बनाया मोदी सरकार ने

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि संसद में उनके चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के द्वारा उनके खिलाफ छापेमारी की योजना बना रही है। राहुल ने कहा कि वे खुली बांहों के साथ ईडी अधिकारियों का इंतजार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने लिखा, जाहिर है, 2 में से 1 को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने मुझे बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का खुली बांहों से इंतजार कर रहा हूं। चाय और बिस्कुट मेरी तरफ से... इतना ही नहीं राहुल ने अपने पोस्ट में प्रवर्तन निदेशालय के आधिकारिक एक्स हैंडल को टैग भी किया है। सुप्रीम कोर्ट के वकील बताते हैं कि 2019 की बात है, जब राज्यसभा में भाजपा के पास बहुमत नहीं था। लेकिन इसके बाद भी मोदी सरकार ने पीएमएलए में बदलाव के लिए इस धन विधेयक की तरह पेश किया था। दरअसल, धन विधेयक को राज्यसभा में पेश नहीं करना पड़ता है। धन विधेयक को सीधे राष्ट्रपति की मंजूरी लेकर लोकसभा में पेश किया जाता है और जहां बहुमत से पास होने के बाद यह कानून बन जाता है। उस वक्त विपक्ष ने मामले पर बहुत हंगामा मचाया था। विपक्ष का कहना था कि पीएमएलए में मनी बिल जैसी कोई बात नहीं है। जानबूझकर पीएमएलए को मनी बिल के तहत लोकसभा से पारित कराया गया, ताकि केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार इसका इस्तेमाल सियासी दुश्मनी को साधने में करना चाहती है। जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तब सुप्रीम कोर्ट ने भी संशोधन को सही ठहराया।

केदारनाथ में फंसे शिवपुरी जिले के श्रद्धालुओं से सिंधिया ने की बात

शिवपुरी । केदारनाथ में आई प्राकृतिक आपदा के कारण मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के श्रद्धालु फंस गए। कइयों को सुरक्षित निकालने के बाद शेष लोगों को निकालने की प्रक्रिया जारी है। वहीं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इन श्रद्धालुओं से बात कर उनकी हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने सुबह केदारनाथ में बादल फटने के कारण वहां फंसे हुए श्रद्धालुओं से बात की। उन्हें अपने लोकसभा क्षेत्र गुना-शिवपुरी के श्रद्धालुओं के समूह के केदारनाथ में फंसने की सूचना मिली थी। केंद्रीय मंत्री ने इस सूचना पर एनडीआरएफ के अधिकारियों से बात कर बचाव कार्यक्रम के माध्यम से बदरवास के लोगों को जल्द नीचे लाने का आग्रह किया था। हालांकि, केंद्रीय मंत्री लगातार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से संपर्क में हैं, ताकि किसी शिवपुरी-बदरवास वासी को रात में परेशानी न हो व जल्द सुबह निकाला जाए। शुक्रवार की सुबह से फंसे हुए लोगों का बचाव कार्य जारी है, उन्हें हेलीकॉप्टर के माध्यम से नीचे लाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने शुक्रवार की सुबह अपने आवास से सभी श्रद्धालुओं से फोन पर बात की, नीचे सुरक्षित लाए गए श्रद्धालुओं से उनका हाल चाल जाना। उन्होंने मुख्यमंत्री धामी से बात कर कहा मैं हूं ना, सभी को सुरक्षित लेकर नीचे आऊंगा, आप चिंता मत करना।

कारें चुराने वाला गिरोह पकड़ाया, डीसीपी के सामने दिया कार चुराने का डेमो

चार मिनट में लग्जरी कार को किया स्टार्ट, अब तक चुरा चुके हैं 100 ज्यादा कारें

नोएडा। (एजेंसी)

नोएडा पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के पांच लोगों को पकड़ा है। दिल्ली, यूपी में इन पर 60 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। ये लोग ऑन डिमांड 100 से ज्यादा लग्जरी कारें चुरा चुका है। चोरों ने पुलिस के सामने कैमरे पर चार मिनट का कार चोरी का डेमो दिया कि कैसे लग्जरी कारों का गेट खोलकर चार मिनट में उसे लेकर रफूचक्कर हो जाते हैं। गिरोह लग्जरी कारें चुराकर महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा में 50 और 40फीसदी कम दामों में बेचते थे। ग्राहक को फर्जी आरसी देते थे। इनके पास से 17 लग्जरी कारें बरामद की गई, जिसे ये बेचने की प्लानिंग कर रहे थे।

डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि सीआरटी और थाना सेक्टर-24 पुलिस ने गिरोह के पांच लोगों को पकड़ा है। पकड़े गए एक बदमाश ने महज चार मिनट में डीसीपी क्राइम के सामने एक लग्जरी कार को स्टार्ट कर दिखाया। चोर ने पहले कार का शीशा खोला। उससे गेट खोला। इसके बाद की-प्रोग्रामिंग पैड के जरिए कार के इलेक्ट्रॉनिक कंटेंट मैनेजमेंट को रि-प्रोग्राम किया। वाईफाई से कनेक्ट करके पेयर बनाया और नया की-कोड जनरेट करके कार स्टार्ट की। डीसीपी ने बताया कि अगर प्रोग्रामिंग फेल हो जाए तो ये नकली चाबी और अन्य तरीकों से लॉक तोड़ते थे।

लग्जरी कारों की चोरी के बाद गिरोह 10 से 15 लाख में और सामान्य कारों को तीन से पांच लाख रुपए में बेच देता है। जिन गाड़ियों को बॉर्डर पार नहीं करा पाते थे, उनके पुरजे निकालकर बेच देते थे। बेचने के बाद मिली रकम से मौज मस्ती करते थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अब्बास उर्फ इकराम, कप्तान उर्फ भूरा, आरिफ उर्फ डोरामोन, आसिफ उर्फ पाटू, अब्दुल रज्जाक के रूप में हुई है। ये पहले भी जेल जा चुके हैं।

अब वायनाड त्रासदी पर वैज्ञानिक और विशेषज्ञ दे सकेंगे अपनी राय

-सीएम विजयन ने विवादास्पद आदेश वापस लेने का लिया फैसला

वायनाड।

केरल सीएम पिनाराई विजयन ने राज्य के मुख्य सचिव को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के उस विवादास्पद आदेश को वापस लेने को कहा है, जिसमें वैज्ञानिकों को वायनाड में हुए भूस्खलन पर अपनी राय और अध्ययन रिपोर्ट मीडिया से साझा नहीं करने को कहा गया था। साथ ही सरकार ने वैज्ञानिकों को भूस्खलन क्षेत्र का दौरा करने से भी मना किया था। पिनाराई विजयन ने कहा कि मुख्य सचिव को तुरंत हस्तक्षेप करने और संबंधित अधिकारी को इसे वापस लेने के निर्देश दिए हैं। इससे गलतफहमी पैदा हुई है। राज्य के मुख्य सचिव डॉ वेणु ने फेसबुक पोस्ट में लिखा-इस निर्णय के पीछे वैज्ञानिक संस्थानों से जुड़े लोगों को हतोत्साहित करना नहीं है। मौसम में होने वाले बदलावों और मौजूदा परिस्थितियों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए वैज्ञानिकों की जरूरत होती है। लेकिन, इस समय सरकार का पूरा ध्यान राहत और बचाव कार्य पर है। राज्य सरकार के बयानों का गलत अर्थ न निकाला जाए। एक अधिकारी ने कहा कि वैज्ञानिक अध्ययनों का बहुत महत्व है जो जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में राज्य के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालता है, लेकिन यह तय करना अहम है कि बयानों या राय की गलत व्याख्या के कारण व्यापक घबराहट और भ्रम की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि राज्य राहत आयुक्त और आपदा प्रबंधन के प्रमुख सचिव टिंकू बिस्वाल द्वारा तैयार किए गए नोट के खिलाफ वैज्ञानिक समुदाय द्वारा कड़ा विरोध जताए जाने के बाद सरकार का स्पष्टीकरण आया है, जिसमें राज्य के सभी वैज्ञानिक संस्थानों को वायनाड में मेप्पाडी पंचायत का दौरा न करने का निर्देश दिया था।

ब्राजील में हुए नाव हादसे में मरने वालों की संख्या 5 हुई

साओ पाउलो। उत्तरी ब्राजील की अमेज़ॅन नदी में गत सोमवार को एक यात्री नाव में आग लगने और डूबने से 3 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं अब घायलों में से दो और लोगों की मौत हो गई। अब इस हादसे में मरने वालों की संख्या 5 हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि दो सौ से ज्यादा लोगों को ले जा रही यात्री नाव एम. मोंटेइरो में अमेज़ॅनस में उरीनी नगर पालिका के पास आग लग गई। राज्य सरकार ने बताया कि पिछले कुछ घंटों में घायल यात्रियों में से दो की और मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या 5 हो गई। मीडिया ने कहा कि कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का मानना है कि आग आतिशबाजी के कारण लगी होगी। तीन दिनों में अमेज़ॅनस राज्य में यात्री नावों में लगी यह दूसरी आग थी। पिछले शनिवार को नाव कोमांडेंट सूजा तृतीय आग लगने के बाद डूब गई थी, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई थी और पांच लापता बताए गए थे।

भुगतान न किए जाने से कई उड़ानें रद्द, यात्री दुबई में फंसे

दुबई। एयरपोर्ट प्राधिकरण को भुगतान न किए जाने के कारण कई उड़ानें रद्द होने से स्पाइसजेट के सैकड़ों यात्री दुबई एयरपोर्ट पर फंस हुए हैं। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि परिचालन संबंधी कारणों से दुबई से भारत आने वाली कुछ उड़ानें रद्द कर दी गईं है, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि दुबई से भारत के कई शहरों के लिए संचालित होने वाली स्पाइसजेट की करीब दस उड़ानें बकाया भुगतान न होने के कारण रद्द कर दी गईं है। इस वजह से दुबई में सैकड़ों यात्री फंस गए हैं। एअरलाइन प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी ने तुरंत कदम उठाते हुए फंसे यात्रियों को अगली उड़ानों में बुकिंग दी और उनके लिए होटल में ठहरने की व्यवस्था भी की। उन्होंने कहा कि दुबई से एअरलाइन की सभी निर्धारित उड़ानें अब योजना के मुताबिक संचालित हो रही हैं।

यूक्रेन को मिला एफ-16 लड़ाकू विमान, रुस को देगा मुंह तोड़ जवाब

-कई महीनों से की जा रही थी मांग, अमेरिका दे रहा पायलटों को प्रशिक्षण

वाशिंगटन। रुस और यूक्रेन जंग को दो से ज्यादा हो चुके हैं और इसमें दोनों ही देशों ने बहुत कुछ खो दिया है। जान-माल का भारी नुकसान हुआ है लेकिन दोनों ही एक-दूसरे पर बराबर हमले कर रहे हैं। जंग के बीच अब अमेरिका ने यूक्रेन को पहला एफ-16 लड़ाकू विमान भेज दिया है, जिसकी मांग यूक्रेन रूसी मिसाइल हमलों से निपटने के लिए कई महीनों से कर रहा था। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन अब रुस को मुंह तोड़ जवाब देगा। जानकारी के मुताबिक यूक्रेन कई महीनों से अपने पश्चिमी सहयोगियों से एफ-16 लड़ाकू विमान देने की मांग कर रहा है। उसका कहना है कि रूस द्वारा उसके खिलाफ दागी जा रही मिसाइलों से निपटने के लिए एफ-16 लड़ाकू विमान की बहुत जरूरत है क्योंकि यह दुश्मन के हवाई हमले को नाकाम करने में सक्षम है। पश्चिमी देशों ने पहले आशंका जताई थी कि उन्नत हथियारों की आपूर्ति करने से युद्ध और भड़क सकता है साथ ही लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करने में हिचकिचाहट दिखाई थी। अमेरिका यूक्रेन के पायलटों को इन लड़ाकू विमानों को उड़ाने का प्रशिक्षण भी दे रहा है। हालांकि अभी यह साफ नहीं हुआ है कि पहले चरण में यूक्रेन को कितने लड़ाकू विमान उपलब्ध कराए गए या किन देशों ने उसे ये विमान दिए। यूक्रेन की सरकार ने भी लड़ाकू विमान मिलने की पुष्टि नहीं की है। नाटो सदस्य बेल्जियम, डेनमार्क, नीदरलैंड और नॉर्वे ने यूक्रेन को 60 से ज्यादा विमान देने की प्रतिबद्धता जताई है। हालांकि, रूस के हवाई बेड़े के मुकाबले यह संख्या बहुत कम है। यूक्रेन के एक अधिकारी के मुताबिक रूस के हवाई हमलों को नाकाम करने के लिए उसे कम से कम 130 एफ-16 लड़ाकू विमानों की जरूरत है।

दूषित भोजन सालाना 4,20,000 से अधिक की ले लेता है जान, जलवायु परिवर्तन से बढ़ सकता है भोजन के विषाक्त होने का खतरा

जिनेवा। दूषित भोजन हर साल 4,20,000 से अधिक लोगों की जान ले लेता है। जलवायु परिवर्तन से भोजन के विषाक्त होने का खतरा और बढ सकता है। वैज्ञानिक इसके लिए बेहतर तरीके से तैयार होने में हमारी मदद करने के लिए अनुमान लगाने वाले कंप्यूटर मॉडलिंग की ओर रुख कर रहे हैं। खाद्य पदार्थों का संदूषण खेत से लेकर थाली तक लगभग हर स्तर पर हो सकता है। जानवरों के चारे में प्रवेश करने वाले बैक्टीरिया से, धूल या जानवरों के मल के संपर्क में आने से, खाद्य प्रसंस्करण के दौरान स्थानांतरित होने वाले संक्रमणों से, या अनुचित भंडारण से संदूषण फैल सकता है। जलवायु परिवर्तन के चलते हवा और पानी के तापमान में अत्यधिक और तेजी से बदलाव हुए हैं। इसने वर्षा चक्र और इसकी तीव्रता को प्रभावित किया है और बढ़ी हुई आर्द्रता ने गंभीर परिणामों के साथ खाद्य पदार्थों के उत्पादन में बदलाव किया है।हालांकि, इसमें शामिल कारकों के कारण सीधे अनुमान लगाना मुश्किल है, पर्यावरण में बदलाव ने जानवरों और मनुष्यों के बीच संचरण की अधिक आशंकाएं उत्पन्न हुई हैं। बाढ़ और सूखे जैसी मौसमी घटनाएं मिट्टी, पानी और पशु आहार को सीवेज से रसायनों और औद्योगिक एवं कृषि भूमि से विषाक्त पदार्थों और कीटनाशकों से दूषित कर सकती हैं। मलावी जैसे पहले से ही संसाधन की कमी वाले देशों में गर्म जलवायु और सीमित बारिश ने न केवल भोजन की उपलब्धता पर हानिकारक प्रभाव डाला है, बल्कि मक्का में एफलाटॉक्सिन (कवक से जहरीले कार्सिनोजेन्स) संदूषण के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण किया है।कैलिफ़ोर्निया, अमेरिका और कनाडा के कुछ हिस्सों में, रोमेन लेट्यूस में पाए जाने वाले ई। कोलाई का प्रकोप भारी वर्षा के बाद उपज वाले क्षेत्रों में बहने वाले वर्षा जल से हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के चलते होने वाली खाद्य पदार्थों की कमी असुरक्षित खाद्य पदार्थों के उपभोग को बढ़ा सकती है और खेतों का जंगलों में विस्तार कर सकती है। बेहतर हस्तक्षेप डिजाइन करने के लिए एक समग्र मॉडल की आवश्यकता होगी। यॉर्क यूनिवर्सिटी, कनाडा के शोधकर्ताओं ने एक वैचारिक मॉडल विकसित किया है जो खाद्य-जनित जूनोटिक रोगों और उसे प्रभावित करने वाले कारकों में जटिल, अप्रत्याशित और गतिशील रूप से विकसित होने वाली पारस्परिक प्रभाव का पता लगा सकता है। इनमें चरम मौसमी घटनाओं, पर्यावरणीय प्रभाव, खाद्य आपूर्ति श्रृंखला, खाद्य सुरक्षा प्रथाओं, आपदा प्रबंधन और घरेलू सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति के बीच संबंधों का विश्लेषण शामिल है।

गर्मी का असर पडता है पक्षियों की जनसंख्या पर भी, ताजा अध्ययन में हुआ यह खुलासा

लंदन। गर्मी ने जेबरा फिंच पक्षियों के टेस्टिंग की तो सैकड़ों जीन्स की गतिविधियों पर असर डाला है, लेकिन मस्तिष्क को कम प्रभावित किया है। इससे पता चलता है कि मस्तिष्क गर्मी पर कम प्रतिक्रिया करता है। एक ताजा अध्ययन में यह दावा किया गया है। ग्रीष्म लहर के प्रभावों को लेकर एक पर्यावरणीय अध्ययन में पक्षियों पर शोध किया है। इसमें गर्मी का पक्षियों के के बर्ताव और उनके शरीर क्रिया विज्ञान पर क्या असर होता है इसकी पड़ताल की गई है। यह अध्ययन पक्षियों के जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता के बारे में भी जानकारी देने वाला साबित हुआ है। इस अध्ययन कि पहली लेखक और शिकागो की लोयोला यूनिवर्सिटी में एसिस्टेंट प्रोफेसर सारा लिप्शूत्ज ने बताया कि गर्मी के बर्ताव संबंधी और शरीरक्रिया विज्ञान संबंधी प्रभावों की अधिकांश जानकारी हमें पानी के जीवों या फिर धरती के ठंडे खून के जीवों से मिलती हैं, लेकिन ग्रीष्म लहर धरती के स्तनपायी जानवरों और पक्षियों के लिए भी बड़ी समस्या हो सकती है। खासतौर पर यदि गर्मी उनके प्रजनन अंगों के खास हिस्सों को प्रभावित करे तब ऐसा ज्यादा समस्याकारक हो सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि हम जानना चाहते थे कि इन समस्याओं से कैसे निपटा जाए, यह समझने के लिए यह समझना जरूरी है कि यह कैसे होता है। ग्रीष्म लहरें गर्म खून के जानवरों के लिए घातक साबित हो सकती है लेकिन हाल ही में हुए जलवायु परिवर्तन पर हुए अध्ययनों में उन पर बर्ताव संबंधी और शरीरविज्ञानसंबंधी एक तरह से गायब पाए गए हैं। शोधकर्ता गर्मी के कुछ कम घातक प्रभावों के बारे जानना चाहते थे जो जानवरों को नहीं मारते हैं लेकिन उनका जलवायु परिवर्तन के अनुसार ढलने या बदलने की क्षमता पर असर होता है।लिप्शूत्ज और उसके साथियों ने जेबरा फिंचों को चार घंटे के हीट चैलेंज का सामना कराया। इसमें जंगली पक्षी वही अनुभव करते हैं जो ग्रीष्मकाल के दिनों में दोपहर के समय की गर्मी में करते हैं। जेबरा फिंच को अध्ययन के लिए इसलिए चुना गया क्योकि गाने वाले पक्षी अपने मूल निवास ऑस्ट्रेलिया में भीषण गर्मी के तापमान के उतार चढ़ाव का सामना करते हैं।

मैरीलैंड एयरपोर्ट पर रुस से रिहा होकर पहुंची अलसू कुरमसशेवा का स्वागत करते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस व राष्ट्रपति जो बाइडेन।

ईरान का ऐलान, हानिया की मौत का बदला लेने इजराइल पर करो हमला

तेहरान। हमास चीफ इस्माइल हानिया की मौत की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। हानिया पर हमला तब हुआ जब वो तेहरान में थे। अब बदला लेने के लिए ईरान ने भी इजरायल पर हमला करने का ऐलान कर दिया है। इजरायल पर हमला करने की पुष्टि ईरान के अधिकारी भी कर चुके हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातोल्लाह अली खामेनेई ने सेना को आदेश दिया है कि वह इजरायल पर हमला करे। ये आदेश सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की इमरजेंसी बैठक के बाद दिया गया है। अब तक ये सामने नहीं आया है कि हमला किस तरह का होगा। ईरान किस ताकत के साथ इजरायल पर हमला बोलेगा। यह माना जा रहा है कि तेल अवीव पर हुए हमले जैसा ही होने वाला है। ईरान ड्रोन और मिसाइल से हमला करने की तैयारी में जुट गया है। ऐसा माना जा रहा है कि ईरान हमला करने में अपने सहयोगी देशों की मदद भी मांग सकता है। हानिया की मौत के बाद ही ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कहा था कि वह इजरायल से इसका बदला जरुर लेंगे। इजरायल पर हमला करने से भी चूका नहीं जाएगा। हिजबुल्ला ने इजराइल द्वारा मंगलवार को बेरूत में किए गए अप्रत्याशित हमले में अपने शीर्ष कमांडर फौद शुकूर के मारे जाने की पुष्टि की है। ईरान समर्थित समूह ने पहले कहा था कि हमले में उसका कमांडर फौद शुकूर इमारत में ही था और स्थिति का पता लगाने के मलबे की तलाशी ली जा रही है। हिजबुल्ला ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब तेहरान में रात में हुए हमले में हमास नेता इस्माइल हानिया को भी मार दिया गया। हमास और ईरान ने हानिया की मौत के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है।

9/11 हमले के आरोपियों के साथ अमेरिका ने समझौता क्यों कर लिया? बाइडन प्रशासन के साथ हुई डील

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अलकायदा के चार आतंकियों ने चार प्लेन को हाईजैक किया। दो को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में टकरा दिया। तीसरा प्लेन पेंटागन में गिरा। चौथे का कंट्रोल पैसेंजर्स ने अपने हाथ में ले लिया। जिसके बाद प्लेन एक खेत में क्रैश हो गया। इस हमले में करीब 3 हजार लोगों की मौत हुई। इसी हमले के बाद अमेरिका ने वॉर ऑन टेरर शुरू किया। सबसे पहले अफगानिस्तान में फौज उतारी और तालिबान को हटाया। फिर पूरी दुनिया में एंट्री टेरर ऑपरेशन चलाया। सैकड़ों संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया। जिन्हें अलग अलग मिलिट्री बेस पर रखा गया। टॉर्चर की कहानी भी सामने आई जिसके बाद संदिग्ध आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाना मुश्किल हो गया। अब अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने तीन आरोपियों के साथ समझौता कर लिया

है। पेंटागन ने मोहम्मद, वालिद बिन अताश और मुस्तफा अल-हवसावी से जुड़े सौदों का पूरा विवरण जारी नहीं किया, लेकिन अमेरिकी मीडिया ने बताया कि तीनों मौत की सजा के बजाय आजीवन कारावास की सजा के बदले में अपना गुनाह कबूल करेंगे।

1941 में पर्ल हार्बर, हवाई पर जापानी हमले के बाद 9/11 का हमला अमेरिकी धरती पर सबसे घातक हमला था, जिसमें 2,400 लोग मारे गए थे। बीबीसी के अमेरिकी सहयोगी सीबीएस न्यूज़ के अनुसार, अभियोजकों द्वारा पीड़ितों के परिवारों को भेजे गए एक पत्र में पहली बार दलील समझौते की घोषणा की गई थी। इसमें कहा गया है कि सैन्य अदालत के समक्ष याचिका अगले सप्ताह की शुरुआत में आ सकती है। तीनों को बाद में सैन्य अधिकारियों के एक पैनल द्वारा सजा सुनाई जाएगी। अभियोजकों ने कहा कि परिवारों को सजा की सुनवाई के दौरान पीड़ित-प्रभाव वाले बयान देने का अवसर मिल सकता है, जो 2025 की गर्मियों में होने की उम्मीद है। अभियोजकों ने यह भी स्वीकार किया कि इस सौदे से उन हजारों परिवार के सदस्यों के बीच तीव्र भावना और मिश्रित प्रतिक्रिया उत्पन्न होने की संभावना है, जिन्होंने किसी को खो दिया है। 12 साल की प्री-ट्रायल मुकदमेबाजी के बाद प्री-ट्रायल समझौते में प्रवेश करने का निर्णय हल्के में नहीं लिया गया; हालाँकि, यह हमारा सामूहिक, तर्कसंगत और सद्भावनापूर्ण निर्णय है कि यह प्रस्ताव अंतिम निर्णय और न्याय का सबसे अच्छा मार्ग है।

भारतीय हथियारों का बड़ा खरीददार बना...चीन का दुश्मन देश

मनीला (एजेंसी)। दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी से जूझ रहा फिलीपींस ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने के बाद अब भारत से बड़े पैमाने पर अन्य हथियार खरीदने की तैयारी में है। भारत में फिलीपींस के राजदूत जोसेल एफ इग्नासिओ ने कहा कि प्रतिरोधक क्षमता हासिल करने के लिए भारत के हथियार बेहद मुफीद हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी फिलीपींस भारत से हथियार खरीदते रहेगा।

जोसेल ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारत अब फिलीपींस के लिए एक स्वाभाविक पार्टनर है। खासकर होरिजोन 3 प्लान के तहत फिलीपींस की सेना को आधुनिक बनाने में भारत की भूमिका अहम है। इस प्लान का ऐलान साल 2023 में फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने किया था। जोसेल ने कहा, कई चरणों में पिछले एक दशक से फिलीपींस की सेना एक आधुनिकीकरण प्रोग्राम चला रही है। फिलीपींस सरकार ने होरिजोन 1 और होरिजोन 2 नाम से सेना को आधुनिक बनाने का कार्यक्रम क्रमशः साल 2013 और 2018 में शुरू किया था। अ?ब नए राष?ट्रपति मार्कोस जूनियर ने होरिजोन 3 कार्यक्रम शुरू किया है जिसके तहत चीन के साथ तनाव को देखकर फिलीपींस की क्षेत्रीय और तटीय सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। इस पूरे कार्यक्रम को अगले 10 साल तक चलाया जाएगा।

फिलीपींस का अमेरिका के साथ रक्षा समझौता है। फिलीपींस अब लगातार भारत के साथ रक्षा समझौता बढ़ा रहा है, ताकि चीन की चुनौती से निपटा जा सके। भारत ने हाल ही में फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की आपूर्ति की है। साल 2022 में यह पूरा सौदा 37 करोड़ 50 लाख डॉलर का हुआ था। फिलीपींस के पास कुल 7600 द्वीप हैं और उनकी सुरक्षा करना उसके लिए बड़ी चुनौती बन गया है। राजदूत ने संकेत दिया कि आने वाले समय में भारत के साथ कई बड़े रक्षा सौदे होने जा रहे हैं। भारत फिलीपींस को नौसैनिक सिस्टम, फाइटर प्लेन, तोप और सैन्य हेलिकॉप्टर बेचना चाहता है। इस लेकर बातचीत चल रही है।

बाइडेन वाली गलती दोहराने लगी कमला हैरिस, खुद को बता दिया अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन। दिवंगत डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि शीला जैक्सन ली की स्तुति के दौरान, कमला हैरिस ने गलती से खुद को राष्ट्रपति बता दिया, जिससे उपस्थित लोगों में हलचल मच गई। हैरिस द्वारा बार-बार खुद को सुधारने की कोशिशों के बावजूद, इस चूक के कारण भीड़ की ओर से तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिली। हैरिस की अनपेक्षित टिप्पणी तुरंत चर्चा का विषय बन गई और वीडियो में कैप्चर भीड़ की प्रतिक्रिया अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। 1 अगस्त को संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ने ह्यूस्टन के एक चर्च में श्रद्धांजलि दी, जिसमें डेमोक्रेटिक नेता बिल और हिलेरी क्लिंटन सहित अन्य लोग शामिल हुए। दिवंगत कांग्रेस सदस्य की स्तुति के दौरान, हैरिस ने जैक्सन ली के प्रमुख योगदानों पर प्रकाश डाला, जिसमें जूनटीन को संघीय अवकाश बनाने में उनकी भूमिका, महिलाओं के खिलाफ हिंसा अधिनियम को फिर से अधिकृत करना और अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ एलजीबीटीक्यू अधिकारों का समर्थन करना शामिल है।

खुलासा : स्मगलिंग कर लाए गए रिमोट कंट्रोल बम से हुई थी हमास प्रमुख की हत्या

तेहरान(एजेंसी)। हाल ही में हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की हुई हत्या के बाद धीरे धीरे राज उजागर हो रहे हैं। जो जानकारियां मीडिया में आ रही हैं उसके मुताबिक जिस रिमोट कंट्रोल बम से हानिया की हत्या हुई थी वो दो माह पहले स्मगलिंग कर लाया था। बता दें कि हमास चीफ इस्माइल हानिया ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए तेहरान गए थे। वह ईरानी सेना आईआरजीसी के जिस गेस्टहाउस में ठहरे थे, वहीं उनकी हत्या कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के दो सदस्यों सहित कई अधिकारियों के हवाले से इसकी जानकारी दी गई। यह नया खुलासा उन शुरुआती रिपोर्ट्स से

बिल्कुल अलग है, जिनमें कहा गया कि मिसाइल हमले में हानिया की मौत हुई थी। रिपोर्ट में ईरान के कुछ अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि तेहरान में हानिया की हत्या आईआरजीसी के लिए बेहद शर्मिंदगी की बात है क्योंकि जिस गेस्टहाउस में हानिया और अन्य गणमान्य लोग ठहरे थे, वही इसे ऑपरेट करता है। हानिया तेहरान में नेशहत नाम के आईआरजीसी के कंपाउंड में ठहरा हुआ था। इस कंपाउंड का इस्तेमाल सीक्रेट मीटिंग्स और हानिया जैसे हाई प्रोफाइल गेस्ट के लिए था।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू पर प्यार बरसा रहा अमेरिका, कहा- मुद्दे को हाई लेवल तक उठाएंगे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने एक बार फिर से खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का राग अलापा है। अमेरिका ने दोहराया है कि वह पन्नू की कथित हत्या के संबंध में चल रही जांच में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ कहा कि इस मामले को अमेरिका हाई लेवल पर भारत सरकार के सामने अपनी चिंताओं को उठाता रहेगा। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, हम अमेरिकी धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की असफल कोशिश एक भारतीय सरकारी कर्मचारी की कथित भूमिका के संबंध में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद

करते हैं, हम हाई लेवल पर सीधे भारत सरकार के साथ अपनी चिंताओं को उठाते रहेंगे।पटेल से कनाडा में भी हुई गुरुपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश के बारे में जब पूछा तो उन्होंने कहा, कनाडा से जो खबर आई हैं, मैं आपको कनाडाई सरकार के पास उन मुद्दों पर टिप्पणी करने के लिए कहूंगा। यह घटना कनाडा के अधिकार क्षेत्र में हुई है।

बता दें कि गुरुपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश को लेकर भारत में जांच चल रही है। अमेरिका ने अपने एजेंट के जरिए पन्नू की हत्या करवाने का आरोप भारत पर लगाया है। भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर गुरपतवंत पन्नू की कथित असफल हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप है। भारत ने खालिस्तान को समर्थन करने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। अमेरिकी के कानून विभाग ने आरोप लगाया है कि 52 साल के निखित गुप्ता भारत सरकार का सहयोगी है और उन्होंने और अन्य लोगों के साथ मिलकर न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रचने में मदद की थी। पन्नू के पास अमेरिका के साथ में कनाडाई नागरिकता है।

ट्रंप ने कई देशों पर साधा निशाना बोले- अमेरिका भेजे जा रहे दूसरे देशों से रेपिस्ट और हत्यारे

-कमला हैरिस के चलते भारत को भी नहीं छोड़ा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि दक्षिण अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और मिडल ईस्ट के देशों से अमेरिका में अपराधी, रेपिस्ट, अपराधी गैंग के सदस्यों और दिमागी रूप से बीमार लोगों को अमेरिका भेजा जा रहा है।

ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला और अल साल्वाडोर में जेलों और पागलखानों को खाली किया जा रहा है और उन्हें अवैध तरीके से अमेरिका भेजा जा रहा है। इससे उनके देशों में अपराध में कमी देखी जा रही है। वहीं अमेरिका

में अपराध बढ़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे को लेकर कई राजनयिकों ने आपत्ति भी जताई है। वहीं फैक्ट चेकर्स का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप ने बिना किसी सबूत के बेबुनियाद दावे किए हैं। एक जर्नल की तरफ से कहा गया कि इस तरह से डोनाल्ड ट्रंप के दावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनके दावों से जुड़ी सच्चाई सामने लाई जाएगी।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि बाहर से आने वाले लोगों का क्राइम रेट अमेरिका में पैदा होने वाले लोगों से कम है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इस तरह के दावे कमला हैरिस पर हमला करने के लिए कर रहे हैं। दरअसल कमला हैरिस भारतीय मूल की हैं और एक ब्लैक महिला हैं। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप अफ्रीकी और दक्षिण एशियाई देशों से कथित अवैध इमिग्रेशन को मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि डेमोक्रेट्स ने भी डोनाल्ड ट्रंप को घेरने में कसर नहीं छोड़ी क्योंकि उनके साथी उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस की पत्नी भी भारतीय मूल की हैं।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत का सीधा नाम नहीं लिया लेकिन कमला हैरिस पर हमला बोलते हुए वह भारत की तरफ भी इशारा करते हैं। कमला हैरिस भारतीय मूल के हैं इसलिए डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण एशिया को भी इस लिस्ट में शामिल किया है। अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इमिग्रेशन को लेकर वह जिस तरह के विचार रखती हैं वे अमेरिका के लिए खतरनाक हैं। अगर वह राष्ट्रपति बनीं तो देश को तबाह कर देंगी। उन्होंने कहा कि वह अमेरिका को नरक बनाने की तैयारी कर रही हैं। बता दें कि सर्वे में कमला हैरिस से पिछड़ने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने हमले और तेज कर दिए हैं। उन्होंने अवैध इमिग्रेशन को मुद्दा बनाना शुरू किया है। इससे पहले वह सेंट्रल और साउथ अमेरिका पर ही ज्यादा बोल रहे थे।

संपादकीय

कुल्लू से केरल तक

भारत का मौसम की मार से प्रभावित और चिंतित होना स्वाभाविक है। उत्तर भारत में कुल्लू से लेकर दक्षिण के केरल तक कई जगह त्रासद मंजर सामने आए हैं। विशेष रूप से उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में बुधवार को जिस तरह से मूसलाधार बारिश हुई है, उससे चिंता का बढ़ना स्वाभाविक है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 24 घंटे में 10 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इतने ही समय में देश के सात राज्यों में 32 से ज्यादा लोग काल के गाल में समा गए हैं। जिस तरह हिमाचल में पचास से ज्यादा लोग लापता हैं, दस से ज्यादा की मौत हो गई है, उससे भी त्रासद स्थिति केरल के वायनाड में बनी हुई है। बारिश और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या वहां 300 का आंकड़ा छूने वाली है। अभी भी 100 से ज्यादा लोग वहां लापता हैं। क्या इन मौतों से बचा जा सकता था? यह बहस का विषय है और कोई भी इस त्रासदी या किसी तरह की लापरवाही की जिम्मेदारी नहीं लेगा। केंद्र सरकार और केरल सरकार के बीच जो दुखद आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं, उनसे आगे बढ़ने की जरूरत है। यह समय सतर्कता और सुधार का है। दरअसल, भारत में मौसम को समग्रता में समझने और उसके अनुकूल व्यवहार करने की जरूरत है। कभी खूब गर्मी, सूखा, तो कभी खूब बारिश, क्या ऐसे विरोधाभास को सहज ही स्वीकार करना चाहिए? मौसम की विचित्रता बढ़ती चली जा रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को बताया कि रात के तापमान के मामले में भारत में सबसे गर्म जुलाई माह का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। औसत तापमान के मामले में बीती जुलाई 1901 के बाद दूसरी सबसे गर्म जुलाई रही है, जबकि देश के कुछ हिस्सों में असामान्य वर्षा हुई है। जुलाई के आंकड़ों पर अगर हम गौर करें, तो बिहार, झारखंड, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा में जुलाई महीने में 20 से 59 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज हुई है। पूर्वोत्तर में भी सिक्किम और मेघालय को छोड़ दीजिए, तो बाकी जगह कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड में कमोबेश सामान्य बारिश रही है। जुलाई के महीने में केवल गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक ही हैं, जहां खूब वर्षा हुई है। बिहार और झारखंड के अनेक इलाकों में खेतों के सूखने की खबर है। धान के पौधों को पानी चाहिए, अगर पानी न बरसा, तो उपज पर असर पड़ जाएगा। यही कामना रहती है कि आवश्यकता के अनुरूप बारिश हो, पर ऐसा होता कहां है? अब एक बड़ा सवाल यह है कि अगस्त कैसा बीतेगा? मौसम विभाग की मानें, तो अगस्त में देश में मासिक वर्षा 94 प्रतिशत से 106 प्रतिशत के बीच सामान्य सीमा में रहने की संभावना है। मतलब, कहीं बहुत ज्यादा, तो कहीं बहुत कम बारिश से इनकार नहीं किया जा सकता। यहां सबसे बड़ी चिंता यह है कि वर्षा जनित हालात को जानलेवा बनने से कैसे रोका जाए? तमाम शहरों में बेसमेंट या भूतल बन रहे हैं, पर भारी बारिश के बारे में नहीं सोचा जा रहा है। खूब चौड़ी और समतल सड़कें बन रही हैं, पर अत्यधिक जलभराव की स्थिति में क्या किया जाएगा, इसकी तैयारी शायद किसी भी शहर में सोलह आना मुकम्मल नहीं है। बिजली के बेतरतीब तार और अन्य प्रकार की शहरी सुविधाएं भी मुसीबत का कारण बनने लगी हैं। यह समय है, जब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को अपनी कमियों से सीखकर देश के सामने एक आदर्श पेश करना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

अग्निपथ योजना में सुधार की काफी गुंजाइश

मनोज जोशी

पिछले शुक्रवार द्रास में आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर अग्निपथ मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा इस योजना का उद्देश्य सेना को युवा बनाए रखना है।ए एक ऐसी सेना जो युद्ध के लिए निरंतर चुस्त रहे। उन्होंने आगे कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मुद्दे को राजनीति का विषय बना दिया है। उन्होंने इससे भी कड़े शब्द बरते, लेकिन सवाल है कि यह सब कहने के लिए क्या यह अवसर उचित था? आदर्श रूप में, इस पवित्र दिन को मनाने के लिए मंच पर विपक्ष और प्रधानमंत्री, दोनों को एक साथ होना चाहिए था। परंतु यह अपेक्षा शायद कुछ ज्यादा ही हो गई। इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 10 सालों में सेना के स्वरूप में काफी सुधार किया गया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति, सैन्य मामलों के लिए अलग विभाग का गठन, सुधरे रूप में सैन्य खरीद नीति, रक्षा उद्योग को स्वदेशी तकनीक विकसित करने की बाध्यता, रक्षा उद्योग में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी को अनुमति और इन्हें रक्षा अनुसंधान एवं विकास राशि का 25 फीसदी मुहैया करवाना जैसे अनेक उपाय किए गए हैं। लेकिन सेना को लेकर अग्निपथ योजना अपने आप में सबसे अधिक महत्वाकांक्षी है। इस योजना के तहत एक युवा की सेना में भर्ती 17-21 साल के बीच होगी है, उसका सेवाकाल चार साल का होगा और सेवामुक्ति उपरांत एकमुश्त रकम मिलनी है। चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत को सेना में आगे 15 साल या अधिक कार्यकाल की पेशकश होगी। लेकिन बाकी बचे 75 फीसदी के लिए विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी का विकल्प हो सकता है, जहां भर्ती में उन्हें तरजीह मिलेगी। इस योजना पर विवाद उस वक्त उठ खड़ा हुआ जब पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवाणे ने विमोचन के लिए लंबित अपनी पुस्तक में कहा कि यह योजना नौसेना और वायुसेना के लिए 'बिन बादलों की बिजली गिरना' बनकर आई और खुद उन्होंने जो प्रारूप सरकार को सौंपा था, वह केवल थल सेना के लिए था और उसमें भी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को फौज में आगे बने रहना था, केवल शेष 25 फीसदी को सेवामुक्त करना था। परंतु रक्षा मंत्रालय ने इसको एकदम उलटा कर दिया, यानी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को कार्यमुक्ति और 25 फीसदी को सेना में बनाए रखने वाला प्रावधान बना डाला। राजनीति की वजह से, आरंभ से ही अग्निपथ योजना को लेकर विवाद होने लगे थे और दोनों पक्षों ने इस पर खेल किया, मुख्य सवाल जो अक्सर किया जाता है: हम अग्निवीरों के लिए और अधिक क्या कर सकते हैं? फिर हमारे पास उस अन्य प्रश्न का भी ठोस उत्तर नहीं है कि अग्निवीर सेना के लिए क्या और कितने उपयोगी होंगे? इस बाबत मुख्य दलील यह दी जाती है कि अग्निपथ योजना से सेना के जवान की औसत आयु बनिस्बत युवा बनी रहेगी। सरकार की ओर से दिए शपथपत्र में दावा किया गया है कि अफसर पद से नीचे, भारतीय सैनिक की औसत आयु विश्व में सबसे अधिक, 32 साल है, जबकि वैश्विक औसत 26 वर्ष है। लेकिन दशकों से सेना में भर्ती की उम्र सदा 16.5 से 21 वर्ष के बीच रही है। कुल 75 प्रतिशत अग्निवीरों की सेवानिवृत्ति और प्रत्येक भर्ती चक्र में नई उम्र के युवाओं की आमद बनाने से योजनाकारों को उम्मीद है कि इससे फौज की औसत आयु कम हो पाएगी। किंतु जैसा कि पहले कहा, बदले में प्राप्ति क्या होगी? भारतीय सेना में भर्ती की कुछ हकीकतें हैं। देखा गया है कि जो युवा जल्दी भर्ती होते हैं, अक्सर उनका भार और पौष्टिकता स्तर उनकी पृष्ठभूमि में विविधता के हिसाब से कम होता है। पहले नौ महीने का प्राथमिक प्रशिक्षण चरण हुआ करता था, उसमें शुरुआत नए सिरे से करनी पड़ती थी, जिसमें यह वक्त उसे शारीरिक रूप से तगड़ा करने और अनुशासन में ढालने में निकल जाता था। इसके बाद शुरू होता व्यावसायिक प्रशिक्षण, चाहे उसे अग्रिम दस्ते का फौजी बनाना हो या अधिक तकनीकी हुनरयुक्त जवान, मसलन, टैंक, तोप, वायु रक्षा प्रणाली चलाने वाला। इनमें मामूली योग्यता पाने के लिए भी एक और साल खपता है। जबकि अब महज छह महीने के प्रशिक्षण के बाद अग्निवीर को सेना में भर्ती किया जा रहा है। रंगरूट की ग्रामीण पृष्ठभूमि, शिक्षा का स्तर और किसी उम्र में भर्ती हुई, इनके परिप्रेक्ष्य में लगता नहीं कि अग्निवीर कोई बहुत बढ़िया कौशल विकसित कर पाएंगे। जो देश हम से आगे हैं, वहां नया रंगरूट पहले से किसी न किसी कौशल से युक्त होता है जैसे कि वाहन चलाने का हुनर, लेकिन भारत में इसके लिए भी तीन महीने तक लग सकते हैं। पूर्व एडमिरल अरुण प्रकाश का कहना है, कदाचित अग्निवीर थल सेना के लिए उपयोगी हों, जहां आक्रमण में अग्रिम दस्ते का फौजी बनने के लिए अधिक तकनीकी योग्यता की इतनी जरूरत नहीं है, लेकिन वायु सेना और नौसेना के लिए यह बड़ी समस्या बन जाएगी, जहां किसी नए भर्ती युवा को समुचित कार्यकारी अनुभव पाने के लिए कम से कम 5-6 साल की जरूरत पड़ती है, उसके बाद ही उसे किसी अभियान का हिस्सा या खतरनाक अस्त्रों का रख-रखाव, जटिल मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण चलाने का काम सौंपा जा सकता है। सरकार का कहना है कि इस योजना का मनोरथ केवल फौज की औसत आयु कम करना है न कि कोई अन्य उद्देश्य। लेकिन यदि पिछली बातों को याद करें तो सरकार के लिए इस तथ्य को मानने की जरूरत है कि यह योजना केवल वित्तीय बोझ कम करने की गर्ज से है, जिसका लाभ वैसे भी एक दशक बाद होना शुरू होगा। फिलहाल सेवानिवृत्त फौजियों को पेंशन देने में कुल खर्च 1.41 लाख करोड़ रुपये आता है अर्थात् कुल रक्षा बजट का 22.7 फीसदी, जिसे सेना के गले में बंधे भारी पत्थर की तरह लिया जाता है। विगत में युवा सैन्य बल बनाने की मांगों के चलते जरूरी नहीं कि फायदे के बदले नुकसान करवा बैठें। इस योजना को बंद करने की बजाय सरकार इसमें बदलाव लाए और खामियों को दूर करे, मसलन, प्रशिक्षण और कौशल विकास के विषय में।

अग्निवीर का कार्यकाल चार साल से बढ़ाकर सात वर्ष करने का सुझाव अच्छा हो सकता है, और पिछले कुछ समय से इसकी मांग हो रही है। इससे प्रशिक्षण के लिए समुचित वक्त मिल पाएगा और ऐसा फौजी सैन्य बल को प्रभावशाली योगदान भी दे पाएगा। इस नए प्रावधान के मुताबिक जब तक कोई अग्निवीर सेवामुक्त होगा तब उसकी उम्र 24-28 साल के बीच होगी, जो नौकरी के विभिन्न मौकों के लिए आदर्श होगी, कुछ वक्त लगेगा पर ऐसे अवसर उनके लिए बनते चले जाएंगे। और यहां सनद रहे, कारगिल युद्ध-1999 में 550 से अधिक जो फौजी शहीद हुए थे, वे सभी पूरी तरह प्रशिक्षित, तपकर निकले और प्रतिबद्ध सैनिक थे न कि अग्निवीर। अग्निपथ योजना का इस किस्म का इम्तिहान होना बाकी है।

लेखक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में प्रतिष्ठित अध्येता हैं।

तो अब अदालत को भी पलटने का हक

(लेखक राकेश अचल)

7 आरक्षण के मामले में शीर्ष न्यायालय के फैसले को लेकर नाना-प्रकार की प्रतिक्रियाएं आ रही है। कुछ लोग और राजनीतिक दल इस फैसले से खुश हैं तो कुछ नाखुश ,क्योंकि अदालत ने अपने डेढ़ दशक पुराने फैसले को पलटते हुए कोटे के भीतर आरक्षण कोटा तय करने का अधिकार राज्यों को दे दिया है ,शीर्ष अदालत का फैसला जहां आरक्षण विरोधी संघ,भाजपा और कुछ अन्य दलों के एजेंडों पर कुठाराघात है वहीं कुछ दलों के लिए राजनीति चमकने का अवसर भी।

हमारे देश में जैसे जाति एक हकीकत है वैसे ही आरक्षण भी एक हकीकत है । आजादी के बाद से ही ये देश आरक्षण और जातियों के बीच झूल रहा है या कहिये पिस रहा है। कुछ लोग और दल चाहते हैं कि अब देश में जाति और और जातिगत आरक्षण हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जाये क्योंकि ये दोनों ही बराबरी और विकास के सबसे बड़े दुश्मन है। जबकि कुछ लोग चाहते हैं कि जब तक समाज में आर्थिक बराबरी न आ जाये तब तक जाती का तो पता नहीं किन्तु आरक्षण को बनाये रखना चाहिए ,जाती को लेकर हमारे समाज की मान्यताएं भी भिन्न है। कोई कहता है कि जाति न पूछो साधू की ,पूछ लीजिये ज्ञान , तो कोई कहता है जाति-पांत पूछे नहीं कोय,हरि को भजे सो हरि को होय। इसके बाद भी हमारी संसद में आज भी जाति पूछी जातीं है और निर्ममता से पूछी जाती है।

बात एकदम ताजा है। शीर्ष अदालत [सुप्रीम कोर्ट] ने 2004 के ईवी चिन्नैया केस में दिए गए अपने ही फैसले को पलटते हुए कहा कि राज्यों को अजा-अजजा कैटिगरी में सब-क्लासिफिकेशन का अधिकार है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि इसके लिए राज्य को डेटा से यह दिखाना होगा कि उस वर्ग का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व है। जस्टिस बी. आर. गवई समेत चार जजों ने यह भी कहा कि अजा-अजजा कैटिगरी में भी क्रीमीलेयर का सिद्धांत लागू होना चाहिए। मौजूदा समय में क्रीमीलेयर का सिद्धांत सिर्फ ओबीसी में लागू है सात जजों की बेंच ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाया। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी का फैसला अलग था। अब सवाल ये है कि क्या नेताओं की तरह अदालतें भी अपने फैसले समयानुसार बदल सकतीं हैं ? मेरे हिसाब से बिलकुल बदल सकतीं हैं ,क्योंकि फैसले व्यक्ति करते हैं ,मशीनें नहीं। यदि शीर्ष अदालतों में फैसले मशीनें करतीं तो मुमकिन है कि वे अपने ही फैसले न बदलतीं लेकिन जब व्यक्ति फैसले करते हैं तो उन्हें फैसले बदलने का हक है । क्योंकि कोई भी फैसला समीक्षा के योग्य होता है और सौ फीसदी सही नहीं होता। उसमें संशोधन की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। अर्थात फैसले बदलने का हक केवल इस देश के नेताओं को ही नहीं अपितु अदालतों को भी है। वे जनमानस के मनोभावों के अनुरूप चलती है। कानून और साक्ष्य तथा तर्क-वितर्क अदालतों को फैसला करने में सहायक होते हैं। याद कीजिये कि यही मामला जब पहले शीर्ष अदालत में आया था तब सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यों को सब-क्लासिफिकेशन करने की इजाजत नहीं है लेकिन अब उसी सुप्रीम कोर्ट के छह जजों ने इस फैसले को पलट दिया। हालांकि, जस्टिस बेला त्रिवेदी ने छह जजों से असहमति जताई। चीफ जस्टिस की अगुआई वाली सात जजों की बेंच ने कहा है कि अनुसूचित जाती के सब-क्लासिफिकेशन से संविधान के अनुच्छेद-14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं होता है। साथ ही कहा कि इससे अनुच्छेद-341 (2) का भी उल्लंघन नहीं होता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुच्छेद-15 और 16 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो राज्यों को रिजर्वेशन के लिए जाति में सब-क्लासिफिकेशन से रोकता है।

सुप्रीम कोर्ट यानि शीर्ष अदालत शीर्ष ही होती है । वो बहुत सोच-विचार के बाद बहुमत से फैसले करती है । सुप्रीम कोर्ट में बहुमत चलता है ,धनिमत नहीं। सबको अपने फैसले करने का अधिकार है । सहमति के साथ ही असहमति का भी सम्मान किया जाता है। भले ही असहमति को सहमति के आगे नतमस्तक होना पड़ता है। फैसले करने का ये लोकतंत्र यदि हमारी संसद में भी हो तो न कोई किसी की जाति पूछे और न कोई किसी पर आखें तरेरे । लोकतन्त्र बहुमत से चलता है तानाशाही से नहीं।

शीर्ष अदालत ने अपना ही फैसला बदलने में पूरे बीस साल का समय लिया। इसलिए आप ये नहीं कह सकते कि ये फैसला जल्दबाजी का फैसला है। फैसला आखिर फैसला है । इसे अब केवल देश की संसद नया कानून बनाकर बदल सकती है। और अतीत में सरकारें अदालतों के फैसलों के खिलाफ नए कानून बनाती रहीं हैं। इसीलिए अदालतों के फैसलों का कभी स्वागत किया जाता है तो कभी विरोध । इस फैसले का भी कुछ लोग विरोध कर रहे हैं और उनके अपने तर्क भी है। संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर के पौत्र प्रकाश अम्बेडकर को शीर्ष अदालत का ये फैसला अच्छा नहीं लगा। वे कहते हैं कि अदालतों को अजा-अजजा के वर्गीकरण का अधिकार नहीं है। ये काम संसद ही कर सकती है। डॉ भीमराव अम्बेडकर के पौत्र प्रकाश वंचित अघाड़ी पार्टी चलाते हैं। लेकिन वे आरक्षण विशेषज्ञ भी हैं, ऐसा मै नहीं मानता । बाबा साहब के पौत्र होने का अर्थ प्रकाश का भी संविधान विशेषज्ञ होना नहीं है। वे राजनीतिक दृष्टि से सोचते है। जिस दिन उनका बहुमत संसद में हो जाएगा,वे शीर्ष अदालत का फैसला बदलने या बदलवाने के लिए स्वतंत्र होंगे। फिलहाल तो शीर्ष अदालत के इस फैसले से कहीं खुशी,कहीं गम का माहौल है। ऐसा होता है । जैसे श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विवाद में आये इलाहबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी हुआ है।

आरक्षण के मुद्दे पर राजनीतिक दल हों या दलों को राजनीति सीखने वाले संघ ,अपनी सुविधानुसार रंग बदलते आये हैं। जो आरएसएस कभी आरक्षण का प्रबल विरोध करता है वो ही संघ आरक्षण का समर्थन करने लगता है। यही हाल सतारूढ़ भाजपा और अन्य दलों का है। इसलिए कम से कम मै तो शीर्ष अदालत के फैसले से मुतमईन हूँ। मै जानता हूँ की शीर्ष अदालत के इस ताजा फैसले के बाद भी राजनितिक दल और नौकरशाही बीच का कोई रास्ता निकल कर अपना उल्लू सीधा करने की कोशिश जरूर करेंगे। ये उनका काम है। अदालत ने अपना काम किया है। आरक्षण की मलाई और छाछ को लेकर ये द्वन्द भी उतना ही सनातन हो चुका है जितनी सनातन हमारी आरक्षण विरोधी और समर्थक राजनीति । इसके फायदे भी हैं और नुकसान भी।

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट का आदेश,आरक्षण में क्रीमी लेयर को लागू करे, सरकार

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की खंडपीठ ने एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। यह फैसला 6-1 से सामने आया है। छह जजों की खंडपीठ ने कहा है, आरक्षित कोटे में से पिछड़ेपन के आधार पर जातियों के आधार पर कोटा तय किए जाने की जरूरत है। पिछड़े वर्ग में अभी 8 लाख वार्षिक की आय सीमा लागू है। एससी और एसटी वर्ग के आरक्षण में ऐसी कोई सीमा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, जातियों के अंदर उपजातियां की कैटिगरी बनाने में संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 341 का कोई उलझन नहीं होता है। जिन परिवारों और जिन जातियों को आरक्षण का लाभ मिल गया है। उसकी दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का हक नहीं मिलना चाहिए। सभी वर्ग के आरक्षण में यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए। केंद्र एवं राज्य सरकारों को आय की सीमा को आधार बनाकर आरक्षण लागू करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारें राजनीतिक लाभ और मजीं से सब कैटेगीरी नहीं बना सकती हैं। यदि ऐसा करती हैं, तो उसकी न्यायिक समीक्षा समय-समय पर की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने 2004 में दिए गए अपने फैसले को बदल दिया है। जिसमें कहा गया था, राज्य सरकार आरक्षित कोटे में सब कैटिगरी नहीं बना सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान आदेश से अब राज्य सरकारें एससी, एसटी कोटे मे पिछड़े वर्ग के आधार पर सब कैटिगरी बना सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की देशभर में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। बिहार की लोजपा ने इसका विरोध करते हुए पुनर्विचार की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक आधार पर पिछड़ी जातियों और पिछड़ी उपजातियां का सर्वेक्षण कराकर आरक्षण व्यवस्था का युक्तिकरण किया जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से राज्यों को अब यह अधिकार मिल गया है। वह आर्थिक शैक्षणिक और सामाजिक आधार पर आरक्षण लागू कर सके। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से अब राज्यों के ऊपर है। वह जल्द से जल्द आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक आधार पर आरक्षण की व्यवस्था की जाए। अभी तक आरक्षण के लाभ से जो लोग वंचित हैं। उन्हें आरक्षण दिया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में राज्यों को 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण देने पर रोक लगा रखी थी। सात सदस्यों की बेंच ने जो आदेश दिया है। उसके बाद नई आरक्षण व्यवस्था में सभी वंचित वर्ग को इसका लाभ सभी वर्ग को हासिल हो। इसके लिए यह फैसला बहुत महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के दल केंद्र सरकार से जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं। 2021 की जनगणना पिछले 4 वर्षों से लंबित है। ऐसी स्थिति में यदि केंद्र सरकार जनगणना करते समय इन्हीं तीन विषयों पर जनगणना करायेगी, तो राष्ट्रीय स्तर पर एससी एसटी और पिछड़े वर्ग के साथ-साथ सामान्य वर्ग की भी जानकारी सामने आ जाएगी। केंद्र एवं राज्य सरकारें इन आंकड़ों के आधार पर योजना बना सकेगी। केंद्र सरकार जाति आधारित जनगणना कराने के लिए विपक्ष की मांग पर अभी सहमत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को आधार पर अब केंद्र सरकार को निर्णय लेना है। एक आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है, केन्द्र सरकार जाति जनगणना करने के बिल्कुल पक्ष में नहीं है। ऐसी स्थिति में राज्यों को अधिकार होगा, कि वह सर्वे के माध्यम से आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्तर पर डाटा एकत्रित करें। आरक्षण को लेकर जो बवाल सारे देश में बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सभी राजनीतिक दलों में भी सहमति बनना संभव हो गया है। 1985 के बाद जब से राम मंदिर आंदोलन शुरू हुआ। उसके जवाब में मंडल कमीशन को सामने लाया गया। वोटों की राजनीति मे कांग्रेस अलग-अलग पड़ गई थी। जिसका फायदा 1989 से लेकर अभी तक भारतीय जनता पार्टी और क्षेत्रीय दलों को पिछले 30 वर्षों में राजनैतिक रूप में मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय दिया है। यदि यह ठीक भावना के साथ लागू कर दिया जाता है। तो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक आधार पर आरक्षण की नई व्यवस्था विभिन्न राज्यों में लागू की जा सकती है। हजारों वर्षों से दबे-कुचले और गुलामी के शिकार पिछड़ा वर्ग, एसटी, एससी के साथ-साथ सामान्य वर्ग के गरीब लोगों को भी सरकारें न्याय दे सकती हैं। जो उन्हें संविधान के अनुसार मिलना जरूरी है। समय परिवर्तन के साथ निर्णय और सोच भी बदलती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सही ढंग से लागू किया जाता है, तो समाज के सभी वर्गों को इसका लाभ शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक प्राथमिकता से मिल सकेगा। आरक्षण नियमों में पारदर्शिता भी लाई जा सकेगी आरक्षण का लाभ एक बार मिलना है, या कई पीढ़ियां तक मिलता रहेगा। इस विवाद का भी समाधान करने का मौका सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से मिल गया है।

फसल उत्पादन का मूल आधार पानी ही है परंतु आवश्यकता से अधिकता फसलों के लिए न केवल हानिकारक होती है, बल्कि भूमि की संरचना को बिगाड़ कर उसे फसल उपयुक्त ही नहीं रहने देती है। जल निकास वह विधि है जिसमें पौधों की उचित वृद्धि के लिए कृत्रिम ढंग से खेतों के अतिरिक्त पानी को भूमि की सतह अथवा अधोसतह से बाहर निकाला जाता है।

जल निकासी जरूरी

कहते हैं कि पानी सरीखा दोस्त नहीं तो दुश्मन भी नहीं। जहां मरणासन्न व्यक्ति में पानी प्राण ला देता हैं और जन जीवन का यह आधार है वहीं पानी की अधिकता कभी-कभी उसकी तबाही का कारण भी बन जाती है। पानी के संबंध में यही बात फसलों के साथ भी लागू होती है। फसल उत्पादन का मूल आधार पानी ही है परंतु आवश्यकता से इसकी अधिकता फसलों के लिए न केवल हानिकारक होती है, बल्कि भूमि की संरचना को बिगाड़ कर उसे फसल उपयुक्त ही नहीं रहने देती है। जल निकास वह विधि है जिसमें पौधों की उचित वृद्धि के लिए कृत्रिम ढंग से खेतों के अतिरिक्त पानी को भूमि की सतह अथवा अधोसतह से बाहर निकाला जाता है।

जल से हानियां

जल निकास के उचित प्रबंध के अभाव में खरीफ मौसम में मिट्टी के अंदर अत्याधिक नमी हो जाती है इस आवश्यकता से अधिक नमी के कारण वर्षाकालीन फसलों एवं मिट्टी को अनेकों हानियां होती है।

- भूमि में वायु संचार रुक जाता है।
- मिट्टी ताप गिर जाता है
- मिट्टी जीवाणुओं के कार्य में बाधा पड़ती है।
- पौधे की जड़ें उथली रह जाती हैं एवं सड़ जाती हैं।
- भूमि कि भौतिक दशा में परिवर्तन हो जाता है।
- पौधे के खाद्य पदार्थों में कमी आ जाती है।
- लवणों का मिट्टी की ऊपरी सतह पर जमाव हो जाता है।
- जुताई बुवाई आदि कृषि क्रियाएं बाधित हो जाती हैं।
- बीजों का देर से जमाव एवं फसल की बढ़वार रुक जाती है।
- रोग, कीट एवं खरपतवार का भयंकर आक्रमण होता है।

जल निकास

हल्की मिट्टी की अपेक्षा भारी, चिकनी, चिकनी दोमट भूमियों में जल निकास की अत्यधिक आवश्यकता होती है क्योंकि इनमें पानी का स्वाद अच्छा नहीं होता हैं जिससे सतह पर पानी भरा रहता हैं। अत: जल निकास के लिए जल निकास नालियां का निर्माण करना पड़ता है। यह जल निकास नालियां अपनी आवश्यकतानुसार भूमि की ऊपरी सतह पर खुली नाली अथवा भूमि के अंदर अधो सतह पर नाली बनाई जाती है। प्राय: जल निकास की दो विधियां अपनाई जाती हैं।

अधो पृष्ठीय जल निकास

जिन स्थानों पर जल स्तर ऊंचा उठ जाने के कारण भूमि के मूल क्षेत्र में पानी भरा रहता है वहां भूमिगत जल निकास नालियां बनानी पड़ती हैं। यह जल निकास नालियां मुख्य रुप से बनाने के (ढकने के) आधार पर लकड़ी, पत्थर, टाइल तीन प्रकार की होती है। मिट्टी की अधो सतह में 25-30 मीटर के आपसी अंतराल पर खेत के प्राकृतिक ढाल को देखते हुए समतल से 1 मीटर की गहराई में 30 सेमी चौड़ी नाली बना देते हैं जिसे लकड़ी, पत्थर या टाइल से ढ़ककर मिट्टी से दबा देते है। इन नालियों में पानी के बहाव के लिए 30 मीटर दूरी पर 5 सेमी का ढाल देते हुए बनाते हैं। इस प्रकार खेत की अधो सतह में सहायक नालियां बना देते हैं। जिन्हें सीधे उपमुख्य नालियों से तथा उपमुख्य नालियों को मुख्य नाली से जोड़ देते हैं। जोड़ते समय ध्यान रखें कि नाली को कभी भी 90 अंश के कोर्ण पर न जोड़ें। जल निकास में छानलू पानी प्रस्तावित होकर खेत से बाहर निकल जाता है। परिणामस्वरुप फसल पर नमी की अधिकता का कोई कुप्रभाव नहीं पड़ता और किसान को अपनी फसल का भरपूर लाभ प्राप्त हो जाता है।

पृष्ठीय जल निकासी

भारतीय कृषकों के लिए यह विधि अति सरल है। इसमें भूमि की किस्म, भूमि की ढाल, पानी की अधिकता आदि बातों को ध्यान में रखते हुए अपनी आवश्यकता अनुसार दूरी पर खेत की सतह पर खुली हुई नाली खोद देते हैं जिनमें होकर बरसात का पानी खेत से बाहर निकल जाता है। यह नाली खेत की सतह पर प्राकृतिक ढाल को देखते हुए खेत की सतह पर 30 सेमी नीची बनाते हैं जिनकी मेड़ 75 सेमी ऊंची रखते हैं। समय-समय पर इन नालियों की सफाई भी करते रहते हैं ताकि जल निकास में बाधा न पड़े।

मिट्टी जनित रोगों तथा दीमक से सुरक्षा के लिए प्रति एकड़ 150 से 200 किग्रा नीम की पिसी हुई खल भी खेत की तैयारी के समय मिला दी जाती है। नर्सरी में इसकी पौध को कटिंग, बीज अथवा टिश्यू कल्चर से तैयार किया जाता है। कलम से तैयार पौधे अच्छे चलते हैं। स्टीविया का रोपण मेड़ों पर किया जाता है ये 1 से 1.5 फीट ऊंची व 2 फीट चौड़ी रखी जाती है।

औषधीय फसल

स्टीविया आमदनी बढ़ाये

जलवायु एवं मिट्टी

स्टीविया की फसल वर्षा को सहन कर लेती है उचित जल निकास आवश्यक है। मिट्टी रेतीली दोमट जिसका पीएच 6 से 7.5 के मध्य हो उपयुक्त रहती है।

भूमि की तैयारी तथा पौध रोपण -

स्टीविया की खेती एक पंचवर्षीय फसल के रूप में की जाती हैं अतः खेत की जुताई दो से तीन बार कर उसमें 3 टन केचुंआ खाद अथवा 6 टन कम्पोस्ट खाद के साथ 120 किग्रा प्रॉम जैविक खाद खेत में मिलानी चाहिए। मिट्टी जनित रोगों तथा दीमक से सुरक्षा के लिए प्रति एकड़ 150 से 200 किग्रा नीम की पिसी हुई खल भी खेत की तैयारी के समय मिला दी जाती है। नर्सरी में इसकी पौध को कटिंग, बीज अथवा टिश्यू कल्चर से तैयार किया जाता है। कलम से तैयार पौधे अच्छे चलते हैं। स्टीविया का रोपण मेड़ों पर किया जाता है ये 1 से 1.5 फीट ऊंची व 2 फीट चौड़ी रखी जाती है। पौधे से पौधे के मध्य 6 से 9 इंच व कतार से कतार 40 सेमी की दूरी रखते हैं। इस प्रकार एक एकड़ में 30 से 40 हजार पौधे लग जाते हैं। रोपण का उपयुक्त माह जुलाई-अगस्त व मार्च-अप्रैल है।

प्रजातियां

विश्व भर में स्टीविया की लगभग 90 प्रजातियां हैं। वर्तमान में स्थानीय जलवायु में एसआरबी-123 जिसकी वर्ष में 5 कटाई ली जा सकती है तथा एसआरबी-512 (चार कटाई) व एसआरबी 120 प्रमुख हैं।

सिंचाई

इसकी फसल को वर्ष भर निरंतर सिंचाई की आवश्यकता होती हैं। स्प्रिंकलर के उपयोग के अलावा इसकी सिंचाई ड्रिप विधि से अधिक फायदेमंद है।

खरपतवार नियंत्रण एवं निराई-गुड़ाई

खरपतवार निकालने का कार्य हाथों से ही किया जाना चाहिये तथा इस हेतु रसायनिक खरपतवारनाशी काम में न लें।

पोषक तत्वों की आवश्यकता

फसल की निरंतर वृद्धि के लिए खाद के साथ-साथ प्रत्येक कटाई के बाद 500 किग्रा केचुआ खाद व 30 किग्रा प्रॉम जैविक पौधों के पास डालना चाहिए। फसल में रसायनिक उर्वरकों एवं टॉनिकों का प्रयोग न करें।

पौध संरक्षण

नियमित अंतरालों पर गोमूत्र अथवा नीम तेल का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल रोगों व कीटों से मुक्त रहती हैं।

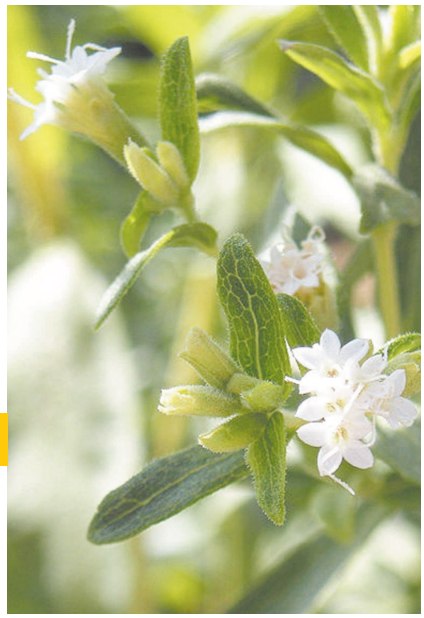

कटाई व पत्तियों को सुखाना

रोपण के लगभग चार माह के उपरांत भूमि से 15 से 20 सेमी की ऊंचाई तक फसल की कटाई करें। कटाई का कार्य पौधों पर फूल आने से पूर्व करें। आगे की कटाई प्रथम कटाई से 3-3 माह पर करते हैं। कटाई के बाद प्रायः 3 से 4 दिन तक पत्तों को छाया में सुखाया जाता है जिससे ये पूर्णतया नमी रहित हो जाते हैं।

उपज

बहुवर्षीय फसल होने के कारण स्टीविया की उपज में प्रत्येक कटाई के साथ बढ़ोत्तरी होती जाती है। चार कटाईयों से लगभग 2 से 4 टन पत्तियां प्रति हेक्टेयर उत्पादन होता है। औसतन फसल से वर्ष भर में लगभग 2.5 टन सूखे पत्ते प्राप्त होते हैं।

पैकिंग व शुद्ध लाभ

सूखी हुई पत्तियों को प्लास्टिक के बैगों में सील पैक कर भर दिया जाता है। इसकी खरीद देश की कई प्रमुख कंपनियां कर रही हैं तथा कई इसे पुर्नखरीदी आधार पर प्रोत्साहित भी कर रही हैं। इसकी बिक्री दर 80 से 120 रुपये प्रति किग्रा तक है। लागत को घटाकर एक अनुमान के मुताबिक करीब एक लाख रुपये प्रति हैक्टेयर शुद्ध लाभ बनता है। अच्छी तकनीक से उपजायी गयी सूखी पत्तियों के पाउडर का मूल्य कृषक को दो सौ रुपये प्रति किलो तक मिल सकता है।

स्टीविया मूलत

पेरुग्वे का पौधा है परंतु इसकी खेती मुख्यतः कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब तथा राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले में प्रारंभ हो चुकी है। इसके पत्तों का स्वाद मीठा होता है, सूखी हुई पत्तियों में 3 से 20 प्रतिशत स्टीवियोसाइड होता है। यह मधुमेह रोगियों में इन्सुलिन की मात्रा को घटाता है साथ ही त्वचा के कैंसर की दवाई, दंत मंजन बनाने व रक्त चाप कम करके उसे नियंत्रित करता है।

मिट्टी की सेहत सुधारने वाली

खाद

वर्मी कम्पोस्ट क्या है?

बेकार कार्बनिक पदार्थों जैसे पशुओं का गोबर, कृषि अवशेष, खरपतवार के छिलके, घरेलू कचरा आदि जो आसानी से सड़-गल सकने वाले पदार्थ हैं जो केंचुओं द्वारा भोजन के रूप में उपयोग किया है और विसर्जन के फलस्वरूप जो पदार्थ निकलता है उसे वर्मी कम्पोस्ट (केंचुआ खाद) कहते हैं।

वर्मी कम्पोस्ट बनाने की विधि

- वर्मी कम्पोस्ट को छायादार किसी ऊंचे स्थान पर जहां पानी न भरता हो बेड तैयार करें।
- बेड की लम्बाई 6 फीट, चौड़ाई 4 फीट तथा गहराई 2 फीट हो। बेड को लकड़ी के मुगरी से पीटकर पक्का य समतल बना लें।
- गड्ढे की निचली सतह पर आसानी से अपघटित होने वाले सूखी घास, पुआल, ज्वार के डंठल की छह इंच मोटी तह बना दें।
- इसके ऊपर छह इंच पकी हुई गोबर खाद डाल दें।
- केंचुओं को डालने के बाद इसके ऊपर 9 इंच की मोटी परत सब्जी के टुकड़े, झुठन, पत्ती आदि डालकर इसे मोटी टाटपट्टी या जूट के बोरों से ढंक दें।
- तत्पश्चात टाटपट्टी पर प्रतिदिन आवश्यकता के अनुसार पानी छिड़कते रहें ताकि नमी 40 प्रतिशत बनी रहे।
- सप्ताह में एक बार खाद को ऊपर नीचे करके पलट दे।
- 30 दिन में छोटे -छोटे केंचुए दिखना शुरू हो जाते हैं इस अवस्था में बेड की सतह में चले जाते हैं।
- 50-60 दिन के बाद पानी छिड़कना बंद कर दें। जिससे कि केंचुए वर्मी बेड की सतह में चले जाते हैं।
- इस पद्धति से 50-60 दिन में खाद तैयार हो जाती है।
- इसके बाद गड्ढे से कम्पोस्ट निकालकर पॉलीथिन शीट पर ढेर लगा दें ताकि केंचुए खाद की निचली सतह में चले जायें एवं बाद में 2 मिमी मोटी जाल वाली छलनी से खाद को छान लेते हैं।
- छानी हुई खाद को सुखा लें एवं बोरियों में उपयोग के समय तक भंडारित कर रख सकते हैं।

पशुओं को कैसे बचाएं खुरपका मुंहपका से

यह रोग विषाणु से होने वाला अत्यंत संक्रामक रोग है। यह रोग फटे खुर वाले पशुओं में होता है। इस रोग को विभिन्न जगहों पर अलग अलग नाम से जाना जाता है। खुसीरा, खुरा, खुरपका इत्यादि। सामान्यतः यह रोग गाय, भैंस, बकरी, भेंड एवं सूकर पशुओं में होता है। इस रोग से काफी संख्या में छोटी उम्र के पशु मर सकते हैं। किंतु वयस्क पशुओं में इस रोग के कारण मृत्यु दर 5 प्रतिशत अथवा इससे भी कम होती है। यह रोग बहुत तेजी से फैलने वाला रोग है तथा कभी-कभी यह रोग पशुओं से मनुष्यों में भी फैल सकता है।

फैलने के कारण

- रोगी पशु की लार, दूषित चारे, पानी, दूध गोबर एवं पेशाब से
- ग्वालें एवं हवा के माध्यम से, एक से दूसरे पशु में। रोग से संक्रमित स्थान से पशु क्रय करके लाने पर। रोगी पशु से सीधे सम्पर्क से
- इस रोग के विषाणु रोगी पशु के फैफड़ों के सूख जाने के बाद घास या चारागाह में गिर जाते हैं, जब इस संक्रमित घास को स्वस्थ पशु खाता है, तो स्वस्थ पशु में यह रोग फैल जाता है।

लक्षण

- प्रारंभिक अवस्था में पशु सुस्त होता हैं। चारा खाना कम कर देता है।
- दूध देने वाले पशुओं का दूध कम हो जाता है। पशु को बहुत तेज बुखार आ जाता है। (106 फारेनहाइट तक)
- एक दो दिन के बाद मुंह तथा पैर में छाले पड़ जाते हैं।
- मुंह में छाले होने से लार टपकने लगती है।
- रोगी पशु लंगड़ाने लगता है, कभी-कभी घाव में छाले में कीड़े पड़ जाते हैं।

उपचार- खुरपका

मुंहपका रोग एक विषाणु जनित रोग है। अतः इस रोग का कोई सीधा उपचार नहीं होता है। एक बार रोग हो जाने पर केवल लक्षणों के आधार पर उपचार किया जाता है। इस रोग में रोगी पशु की प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने से पशु में अन्य रोगों के संक्रमण की संभावना हो सकती है। जिसके बचाव के लिए उपचार किया जाता है।

यूपीआई से हर महीने जुड़ रहे 60 लाख नए उपयोगकर्ता

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड तेजी से बढ़ रहा है। जुलाई महीने में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) आधारित लेन-देन में जोरदार उछाल आया है। यह आंकड़ा 20.64 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यूपीआई पर अब हर महीने 60 लाख नए उपयोगकर्ता जुड़ रहे हैं, जिसकी वजह यूपीआई पर रुपे क्रेडिट कार्ड और विदेशों में इसकी शुरुआत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मुद्रा और वित्त 2023-24 पर नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार देश अपने मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, जीवंत फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र और अनुकूल नीतिगत माहौल के दम पर दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रणी बनकर उभर रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने गुरुवार को इस संबंध में आंकड़े जारी किए। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपीआई लेन-देन में पिछले साल के मुकाबले 35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई में यूपीआई से होने वाले कुल लेनदेन की संख्या लगभग 4 प्रतिशत बढ़कर 14.44 बिलियन हो गई। औसत दैनिक लेनदेन की मात्रा 466 मिलियन रही।

जोमेटो का शेयर 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर

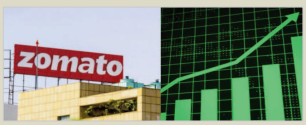

मुंबई । होटल तथा रेस्तरां से खाने वाली वस्तुओं की खरीद का विकल्प पेश करने वाले ऑनलाइन मंच जोमेटो के शेयर शुक्रवार को तेजी के साथ खुला। कंपनी का शेयर अपने 52 हफ्तों के उच्च स्तर पर पहुंच गया है, इसमें 17 फीसदी की तेजी आई और ये 278 रुपए के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। गुरुवार को स्टॉक 234 रुपए के लेवल पर बंद हुआ था और शुक्रवार को इसकी ओपनिंग 244 रुपए पर हुई थी। स्टॉक अपने अपर सर्किट लेवल से कुछ ही देर था। हालांकि, इसके बाद से स्टॉक थोड़ा नीचे आकर 261 रुपए के आसपास कारोबार कर रहा था। जामेटो ने गुरुवार को जोरदार नतीजे तो पेश किए ही थे, इसके बाद इसका मार्केट कैप 2.27 लाख करोड़ के पार पहुंच गया है। तिमाही आधार पर अब तक का सब ज्यादा 253 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज हुआ है। पिछले साल 48 करोड़ एबिटिडा घाटे के मुकाबले 177 करोड़ का ऐ बि टिडा दर्ज हुआ है। फूड डिलीवरी और ब्लिंकिट में अच्छी ग्रोथ दर्ज हुई है। बताया गया है कि इंटरनेट स्टॉक्स में जोमेटो का शेयर टॉप पिक है। कंपनी का लक्ष्य 2026 तक ब्लिंकिट के 2000 स्टोर्स खोलने का है। इस विकास की दिशा में कंपनी तेजी से काम कर रही है, जिससे भविष्य में और भी बेहतर परिणामों की उम्मीद की जा रही है।

अडानी समूह का सुपर ऐप अब देगा डिजीटल लोन

मुंबई । अडानी समूह के सुपर ऐप अडानी वन ने प्लेटफॉर्म के जे रिए ऋण वितरित करने की शुरुआत की है। इस संबंध में डिजिटल ऋण देने वाली फर्मों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के साथ पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। अदानी वन का संचालन अदानी एंटरप्राइज लिमिटेड की डिजिटल शाखा अदानी डिजिटल लैब्स लिमिटेड के तहत किया जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसने व्यक्तिगत ऋण देने के लिए फिनटेक कंपनी क्रेडिटबी की एनबीएफसी सहायक कंपनी क्रेजीबी सर्विसेज के साथ साझेदारी की है। अडानी का सुपर ऐप पहले यात्रा और हवाईअड्डा सेवाओं पर केंद्रित था। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अडानी वन अपने क्रेडिट उत्पाद पेशकश का विस्तार करने के लिए अन्य एनबीएफसी और फिनटेक कंपनियों के साथ भी चर्चा कर रही है। एक सूत्र ने आउटलेट को बताया कि अधिक साझेदारियां आने वाली हैं।

बैंकों में वापस आ गए 98 फीसदी 2000 रुपए के नोट: आरबीआई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2,000 रुपये के नोट को लेकर ताजा जानकारी दी है। बैंक ने बताया कि 97.92 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। चलन से हटाए गए केवल 7,409 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से हटाने की घोषणा की थी। जिसके अनुसार उस समय चलन में 2,000 रुपये के बैंक नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 जुलाई, 2024 को घटकर 7,409 करोड़ रुपये रह गया।

केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपये के 97.92 फीसदी बैंक नोट वापस आ गए हैं। दो हजार रुपये के बैंक नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। चलन से हटाए गए 2,000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है।

एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह दी

नई दिल्ली । एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। निवेश के अवसर देने के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स को लेकर उन्हें सतर्क रहने के लिए कहा गया है। निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक ने कहा कि ज्यादातर आकर्षक ऑफर सोशल मीडिया मंचों के जरिये आते हैं। इस सलाह का उद्देश्य ग्राहकों की सुरक्षा के लिए संभावित निवेश धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। बैंक ने अपनी सलाह में कहा कि निवेश धोखाधड़ी के मामलों में धोखेबाज आमतौर पर शेयर, आईपीओ, क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन जैसी परिसंपत्तियों में निवेश पर असामान्य रूप से अधिक रिटर्न का वादा करते हुए नजर जाते हैं। इस फर्जीवाड़े में नकली ऑटोमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म या ऐप बनाना भी शामिल है। यहां पर पीड़ितों को निवेश में भारी-भरकम रिटर्न का संकेत देने वाले नकली डैशबोर्ड दिखाई देते हैं। बयान के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति किसी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार होता है तो उसे भुगतान चैनल ब्लॉक करने के लिए तत्काल बैंक को उस अनधिकृत लेनदेन की सूचना देनी चाहिए। प्रभावित ग्राहकों को गृह मंत्रालय की तरफ से शुरू की गई 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके भी शिकायत दर्ज करानी चाहिए। इसके अलावा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

HDFC BANK

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 886 अंक , निफ्टी 293 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेल शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आया है। जानकारों के अनुसार कमजोर अमेरिकी जॉब डेटा आने के बाद विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली से भी बाजार गिरा है। इससे मेटल, ऑटो और आईटी क्षेत्रों के शेयरों में गिरावट रही। जैसे सेक्टर के स्टॉक्स में देखने को मिला।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 885.60 अंक करीब 1.08 फीसदी नीचे आकर 80,981.95 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 293.20 अंक करीब 1.17 फीसदी नीचे आकर 24,717.70 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में गिरावट का एक कारण पहली तिमाही में कंपनियों का परिणाम बेहतर नहीं होना भी रहा। निफ्टी फार्मा के शेयर आज 0.52 की बढ़त के साथ ऊपर आकर बंद हुए। अन्य क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी में कुल मिलाकर 8 शेयर ही लाभ पर बंद हुए। सबसे अधिक लाभ डिविज लैबोरेटरीज को हुआ। इस कंपनी के शेयर आज 1.74 फीसदी की उछाल के साथ 4,973.05 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक , डॉर रेड्डी लैब, सन फार्मा, बिटानिया, नेस्ले इंडिया, कोटक बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर भी ऊपर आये।

दूसरी ओर निफ्टी में आज ज्यादातर शेयर गिरावट पर बंद हुए। सबसे ज्यादा गिरावट आयशर मोटर्स में रही। इसके शेयर आज 5.15 फीसदी नीचे आकर 4,713 रुपये पर बंद हुए। इसके अलावा, टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, जेएसडब्ल्यू स्टील और हिंडाल्को के शेयर भी गिरे। निफ्टी50 पर सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी रियल्टी में (-3.53 फीसदी) देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी आईटी और निफ्टी मेटल में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गयी।

वहीं अन्य बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नीचे आये । यूरोप के बाजार गिरा है। अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई है। बीएसई सेंसेक्स लगभग 700 अंक गिरकर 81,158.99 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी50 में 220 अंकों की गिरावट आई और यह 24,789 पर पहुंचा।

बीएसई पर आईटीसी और एचयूएल टॉप गेनर्स रहे, जबकि मारुति और टाटा मोटर्स टॉप लूजर्स रहे। इसी तरह एनएसई पर अपोलो हॉस्पिटल्स और नेस्ले ही एकमात्र गेनर्स रहे, जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा स्टील टॉप लूजर्स रहे। ब्रॉडर मार्केट्स में गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी स्मॉलकैप और मिडकैप में 1 फीसदी की गिरावट आई।

इंफोसिस को कथित टैक्स चोरी मामले में राहत

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस को कथित टैक्स चोरी के मामले में बड़ी राहत मिली है। कर्नाटक सरकार ने कंपनी को भेजे गए 32,403 करोड़ रुपये के नोटिस को वापस ले लिया है। इस भारी भरकम नोटिस को लेकर इंफोसिस सुरिंगों में थी और गुरुवार को ही उसकी ओर से सफाई जारी की गई थी। बीते कारोबारी दिन गुरुवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इंफोसिस की ओर से बताया गया कि कंपनी को कर्नाटक राज्य के अधिकारियों से एक मैसेज मिला है, जिसमें उसे भेजे गए बताओ नोटिस को वापस लेने का जिक्र है। कंपनी को एक दिन पहले ही 32,403 करोड़ रुपये की जीएसटी डिमांड नोटिस मिला था और इस पर डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) ने जवाब मांगा था। रिपोर्ट के मुताबिक टैक्स चोरी का ये मामला जुलाई 2017 से 2021-2022 तक का है। आरोप है कि इस अवधि के दौरान इंफोसिस ने अपनी विदेशी शाखाओं से सेवाएं प्राप्त की लेकिन उन पर 32,403 करोड़ रुपये के टैक्स का भुगतान नहीं किया। टैक्स दस्तावेजो में कहा गया है कि इंफोसिस सर्विसेज के प्राक्कर्ता के रूप में सेवाओं के आयात पर आईजीएसटी का भुगतान नहीं करने के मामले पर जांच के दायरे में हैं।

सरकार बंद कर सकती है सॉवरेन गोल्ड बांड स्कीम!

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के बजट में सोने पर सीमा शुल्क में कमी की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे खरीदारों और व्यापारियों दोनों को राहत मिली है। वहीं केंद्र सरकार अब सितंबर माह में सॉवरेन गोल्ड बांड योजना को बंद करने पर विचार कर रही है। गौरतलब है कि कस्टम ड्यूटी में कमी करने के बाद सोने की कीमतों में कमी ने एसजीबी, फिजिकल गोल्ड और गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड समेत सोने के सभी निवेशों पर रिटर्न को प्रभावित किया है, जिसकी चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर अब लगभग 10-11 प्रतिशत होने की उम्मीद है। एक विश्लेषक के अनुसार अगर शुल्क में कटौती नहीं होती तो यह 6 से 7 प्रतिशत अधिक हो सकता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसजीबी के जरिए राजकोषीय घाटे को वित्तपोषित करने की लागत काफी अधिक है और यह योजना से निवेशकों को मिलने वाले फायदे के अनुरूप नहीं है। इस असमानता के कारण सरकार अगले महीने होने वाली बैठक में इस योजना को बंद करने का निर्णय ले सकती है।

भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की रफ्तार जुलाई में हुई धीमी

नई दिल्ली ।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी रही। दरअसल नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार इसका कारण रही। दूसरी ओर लागत दबाव और मांग में मजबूती के कारण अवटूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि हुई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में इसकी जानकारी दी गई। एएएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार दिखाता है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एएएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है।'' भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार, विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी। कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अवटूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया।

महंगाई पर रोक लगाने 38 चीजों के दामों पर नजर रखेगी सरकार

नई दिल्ली ।

महंगाई पर लगाने के लिए सरकार अब 38 जरूरी चीजों की कीमतों की रोजाना मॉनिटरिंग करेगी। अब तक 22 चीजों पर नजर रखी जाती थी। नई चीजों में बैंगन, बाजरा, रागी, अंडा, सूजी, बेसन, मैदा, घी जैसी 16 वस्तुएं हैं। हाल ही में प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम मोबाइल ऐप वर्जन 4.0 लॉन्च करते हुए खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। मई में 4.8 फीसदी रहने के बाद जून में रिटेल इंफ्लेशन 5.08 फीसदी पर चली गई थी। खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर लगातार आठवें महीने 8 फीसदी से ऊपर रहते हुए जून में 9.36 फीसदी पर पहुंच गई थी।

जोशी ने बताया कि पहली अगस्त से डेली प्राइस मॉनिटरिंग की व्यवस्था में अब 16 और खाद्य वस्तुओं को शामिल कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब बाजरा, ज्वार, रागी, सूजी, मैदा, बेसन, घी, मक्खन, बैंगन, अंडा, काली मिर्च, धनिया, जीरा, लाल मिर्च, हल्दी और केले की कीमतों पर भी रोजाना नजर रखी जाएगी। कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 550 सेंटरों के जरिए जरूरी चीजों की कीमतों पर रोज नजर रखता है।

भारत में शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारत में शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन को लॉन्च कर दिया गया है। इस डिवाइस में रियर कैमरा में लेइका सुमिलक्स लेंस दिया गया है। इसमें प्रीमियम वीदन लेदर फिनिश के साथ स्पेशल डुअल-टोन डिजाइन दिया गया है। साथ ही यहां नेक्स्ट-जेन क्रांड कव्ड डिस्प्ले भी दिया गया है।

शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन की कीमत 48,999 रुपये रखी गई है। इसे सिंगल 12जीबी+512जीबी वेरिएंट में उतारा गया है। इस डिवाइस को ग्राहक फ्लिपकार्ट और शाओमी पार्टनर ऑफलाइन स्टोर्स से खरीद सकते हैं।

आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर ईएमआई और नॉन-ईएमआई दोनों तरह के ट्रांजैक्शन पर 3,000 रुपये की अतिरिक्त छूट दी जा रही है।

ग्राहकों को 9 महीने तक के लिए नो-कॉस्टईएमआई पेमेंट ऑप्शन भी दिया जा रहा है। हालांकि, ये ऑप्शन चुनिंदा बैंक के क्रेडिट कार्ड पर दिया जा रहा है।

शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन में डुअल-टोन फिनिश है, जिसमें वीगन लेदर और मिरर ग्लास फिनिश है। ये पांडा डिज़ाइन थीम से इंस्पायर्ड है और एक्वा ब्लू, पांडा व्हाइट और हॉट पिंक कलर्स में आता है। सभी वेरिएंट में ब्लैक कलर का ग्लास है, जिसके चलते बैक पैनल पर प्रीमियम टू-कट्टास्ट कलर मिलता है। ये फोन स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर के लैस हैं। ये सीआईवीआई लाइनअप के समान सिनेमैटिक विज़न डीएनए को फॉलो करता है, जिसमें शाओमी और लेइका द्वारा को-डेवलप्ड सुमीलक्स लेंस पावर्ड ट्रिपल रियर कैमरे हैं। शाओमी 14सीआईवीआई पंडा एडीशन में 50 एमपीएफ/1.6 प्राइमरी कैमरा, 20 एमपीएफ/2.0 टेलीफोटो लेंस और 12एमपीएफ/2.2 अल्ट्रावाइड लेंस है। ये डुअल-फ्रंट कैमरा वाले सबसे रेयर स्मार्टफोन्स में से एक है, जिसमें 32एमपीएफ/2.0 प्राइमरी और 32एमपीएफ /2.4 अल्ट्रावाइड लेंस शामिल हैं। रियर और फ्रंट दोनों कैमरे अके रिजॉल्यूशन में वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट करते हैं। इसकी बैटरी 4700 एमएएच की है और यहां 67वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है।शाओमी 14 सीआईवीआई पंडा एडीशन के स्पेसिफिकेशन रेगुलर वेरिएंट जैसे ही हैं।

डिवाइस में 1.5के रेजोल्यूशन और 120एचज़ेड रिफ्रेश रेट वाली 6.55-इंच क्राड-कर्व्ड अमोलेड स्क्रीन है।

सोने के भाव 70,350, चांदी भी बढ़कर 83,600 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा भाव कारोबार में शुक्रवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 70,350 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 285 रुपये की तेजी के साथ 70,239 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 377 रुपये की तेजी के साथ 70,331 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 1,108 रुपये की तेजी के साथ 83,702 रुपये पर खुला। इस समय यह 992 रुपये की तेजी के साथ 83,586 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,490.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,480.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 16.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,497 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.62 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.47 डॉलर था। इस समय यह 0.38 डॉलर की तेजी के साथ 28.85 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पेरिस ओलंपिक: भारतीय हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचा

कोलंबो (एजेंसी)। पेरिस (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ग्रुप मैच में हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को ओलंपिक में 52 साल बाद हराया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को एक रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया। भारत ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को ग्यूनिख ओलंपिक 1972 में हराया था।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की हॉकी टीमें पेरिस ओलंपिक के ग्रुप बी में हैं। वहीं बेल्जियम इस ग्रुप में अपने चारों मैच जीतकर पहले नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया 9 अंक के साथ दूसरे और भारत 7 अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। वहीं अर्जेंटीना के भी 7 अंक हैं, लेकिन वह गोल अंतर में पीछे होने के चलते चौथे नंबर पर है। आयरलैंड और न्यूजीलैंड अपने चारों मैच हारा है और खिताबी रेस से बाहर हैं।

भारत ने इस मैच में तेज शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया ने 10वें मिनट में जोरदार अटैक किया। उसे पेनाल्टी कॉर्नर भी मिला लेकिन भारत ने गोल नहीं होने दिया।

भारत ने पहले क्वार्टर के 12वें मिनट में गोल किया। यह मैच का पहला गोल अभिषेक ने ललित के शॉट पर रिबाउंड पर किया। भारत ने इसके साथ ही 1-0 की बढ़त बना ली है।

भारत ने 13वें मिनट में एक गोल और किया। ये गोल पेनाल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किया। पहले क्वार्टर का खेल खत्म होने पर भारत 2-0 से आगे रहा। यह पेरिस ओलंपिक में पहला मौका है, जब भारत ने किसी टीम के खिलाफ पहले क्वार्टर में दो गोल किए हैं।ऑस्ट्रेलिया ने 19वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया. हालांकि, वह गोल नहीं कर सका।

ऑस्ट्रेलिया ने 25वें मिनट में गोल कर दिया है। उसने इस गोल के साथ ही भारत की बढ़त कम कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह गोल थॉमस क्रेग ने किया। मैच का दूसरा क्वार्टर खत्म हुआ तो भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भी तेज हुई है। पहले ही मिनट में ऑस्ट्रेलिया बॉल लेकर भारतीय टीम में पहुंचा, पर गोल नहीं कर पाया. इसके एक मिनट बाद ही भारत ने पेनाल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया. ऑस्ट्रेलिया ने भारत के पेनाल्टी कॉर्नर को बचाने में गलती की। हरमनप्रीत का शॉट ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर के पैर से लगा और भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिल

गया। हरमनप्रीत ने इस पर गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। यह हरमनप्रीत सिंह का पेरिस ओलंपिक में छठा गोल है। ऑस्ट्रेलिया के गोवर्स ने अंतिम क्वार्टर में एक गोल किया पर भारत ने मुकाबला 3-2 से जीत लिया।

पेरिस ओलंपिक: मनु 25 मीटर पिस्टल इवेंट के फाइनल में पहुंची

-आज जीत सकती हैं तीसरा पदक

पेरिस (एजेंसी)। भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर अब पेरिस ओलंपिक में अपने तीसरे पदक के करीब पहुंच गयी हैं। मनु महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल इवेंट के फाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में उनके पास शनिवार को अपने पदकों की हैट्रिक पूरी करने का अच्छा अवसर है।

मनु ने रैपिड राउंड की शुरुआत शानदार तरीके से करते हुए 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन रैपिड राउंड में दूसरा स्थान हासिल किया। मनु ने सीरीज 2 में कुल 98 का स्कोर बनाया। वहीं पहली सीरीज में उन्होंने 100 का स्कोर किया थी।

मनु ने प्रेसिजन में पहली सीरीज में कुल 97 का स्कोर किया है। वहीं दूसरी सीरीज में 98 स्कोर कर शीर्ष 8 में जगह के प्रयास किये। इसके बाद तीसरी सीरीज में 99 अंक हासिल करते हुए कुल 294 अंकों के साथ मनु तीसरे स्थान पर रही। इस भारतीय निशानेबाज ने तीसरे और फाइनल सीरीज में 97 अंक हासिल किए। 8 शॉट में 10 अंक जबकि दो में 8 और 9 अंक हासिल किए जबकि ईशा को 581 अंक लेकर 10 वां स्थान मिला। मनु ने इससे पहले 10 मीटर एयर पिस्टल में पहला कांस्य पदक जीता था और इसके बाद वो 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर एक और कांस्य जीतने में सफल रहीं। वहीं अब 25 मीटर इवेंट में वो फिर पदक जीत सकती हैं.

वहीं रैपिड राउंड में भारत की ही ईशा सिंह ने पहली सीरीज में कुल 97 अंक हासिल किए। उन्होंने 10 में से 7 शॉट 10 का लगाया और 3 शॉट में 9 अंक हासिल किए। वहीं दूसरी सीरीज में इस भारतीय निशानेबाज ने 100 में से कुल 96 अंक हासिल किए। 10 में से उन्होंने 6 में परफेक्ट 10 का स्कोर किया जबकि 4 में 9 अंक हासिल किए। वह प्रेसिजन में 10वें स्थान पर रही।

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सात करोड़ डॉलर का बजट मंजूर किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए बजट की घोषणा कर दी है। आईसीसी की कोलंबो में जो सालाना बैठक के बाद ये घोषणा की गयी है। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन के लिए करीब सात करोड़ डॉलर के बजट को मंजूरी दी है। बीसीसीआई सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी की वित्त और वाणिज्य कमेटी ने इस बजट को मंजूरी दी। इसमें अनुमानित बजट करीब सात करोड़ डॉलर का है और केवल 45 लाख डॉलर अतिरिक्त खर्च के लिए आवंटित किए गए हैं। वहीं कुल बजट और अतिरिक्त खर्च रकम को लेकर आईसीसी की पिछली बैठक में ये अटकलें लगायी जा रहीं थी कि अगर भारतीय टीम टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान नहीं आती है तो बैकअप कोष रखा जाएगा। इसके लिए 45 लाख डॉलर काफी कम बताये जा रहे हैं। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने अपने कार्यालय और साथी सहकर्मियों को सलाह दी है कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत के अपनी टीम भेजने को लेकर कोई भी बयान नहीं दें। पीसीबी प्रमुख ने इस मुद्दे पर खुद और अन्य अधिकारियों के लिए एक नीति अपनाई है कि इस पर टिप्पणी नहीं की जाए और आईसीसी को ही इसे संभालने दिया जाए। इसलिए ही हाल के दिनों में नकवी या किसी अन्य बोर्ड अधिकारी की ओर से इस बारे में कोई टिप्पणी या बयान नहीं आया है कि अगर भारत अपनी टीम पाक नहीं भेजता है तो क्या होगा।

हार से सिंधु का लगातार तीसरा ओलंपिक पदक जीतने का सपना टूटा

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ओलंपिक में तीसरी बार पदक जीतने का रिकार्ड बनाने में असफल रही हैं। सिंधु को प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। उन्हें चीन की हे बिंग जियाओ के हाथों दो गेमों में 21-19 और 21-14 से लगातार हार का सामना करना पड़ा है। ये पहली बार बार है जब सिंधु ओलंपिक से खाली हाथ वापस लौट रही हैं। इससे पहले उन्होंने दो ओलंपिक खेले थे और दोनों में ही पदक जीते थे। सिंधु अगर पेरिस ओलंपिक में पदक जीत जाती, तो वह ओलंपिक के इतिहास में लगातार तीन पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी जाती पर हार के साथ ही उनका ये सपना टूट गया। सिंधु ने ओलंपिक में दो पदक जीते हैं। उन्होंने रियो ओलंपिक 2016 में रजत और टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीता था।

सिंधु और बिंग जियाओ के खिलाफ मुकाबला तकरीबन एक घंटे तक चला। मुकाबले में सिंधु की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उन्हें कुछ गलतियां की वहीं जियाओ ने कुछ स्टीक स्मैश लगाए जिससे चीन की खिलाड़ी 5-1 की बढ़त बनाने में सफल रही। सिंधु को कोर्ट पर मूवमेंट में दिक्कत हो रही थी और उन्होंने कुछ शॉट बाहर मारकर चीन की खिलाड़ी को 7-2 की बढ़त बनाने का मौका दिया। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद कुछ अच्छे अंक जुटाकर वापसी की कोशिश की, लेकिन जियाओ ब्रेक तक 11-8 से आगे रहीं। सिंधु ने चीन की खिलाड़ी पर दबाव बनाया।

तीन बेहद करीबी अंक मिलने से सिंधु 12-12 पर बराबरी हासिल करने में सफल रहीं। बिंग जियाओ ने सिंधु के शरीर पर स्मैश के साथ 19-17 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी ने लगातार दो अंक के साथ स्कोर 19-19 किया। चीन की खिलाड़ी ने लाइन पर शॉट मारकर एक गेम अंक हासिल किया और फिर लंबी रैली के बाद क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ पहला गेम 30 मिनट में 21-19 से जीत लिया।

दूसरे गेम में भी बिंग जियाओ ने अपने स्मैश से सिंधु को परेशान किया और लगातार छह अंक के साथ 8-2 की बढ़त बनाकर मुकाबला जीत लिया।

पेरिस ओलंपिक : अंकिता और धीरज क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस। भारतीय तीरंदाज अंकिता भकत और धीरज बोमादेवरा की जोड़ी यहां पेरिस ओलंपिक की मिश्रित स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। अंकिता और धीरज की जोड़ी ने इस मुकाबले में 5-1 से इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया। अंकिता और धीरज की भारतीय जोड़ी ने इस मुकाबले में शानदार खेल दिखाते हुए पहला सेट 37-36 से जीता और 2 अंक लेकर शुरुआत की। वहीं दूसरे सेट में मुकाबला कठिन रहा और इंडोनेशियाई जोड़ी ने 38-38 स्कोर के साथ बराबरी पर ला दिया। भारतीय जोड़ी को यहां 1 अंक मिला और उसका स्कोर तीन हो गया। इसके बाद अगले दौर में अंकिता और धीरज ने 38-37 से जीत हासिल करते हुए 2 अहम अंक हासिल कर अंतिम आठ में जगह बनायी।

उथप्पा बोले, सचिन तेंदुलकर और सौरव जैसी सफल रहेगी शुभमन और यशस्वी की जोड़ी

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर रोबिन उथप्पा ने शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि श्रीलंका के खिलाफ जिस प्रकार टी20 सीरीज में शुभमन और यशस्वी ने पारी की शुरुआत करते हुए जमकर रन बनाये। उससे ये लगने लगा है कि ये जोड़ी भी आने वाले समय में सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली जैसी जोड़ी की तरह ही सफलताएं हासिल करेगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टी20 से संन्यास लेने के बाद माना जा रहा है कि रोहित और विराट का विकल्प भी ये दोनो ही बनेंगे। इस जोड़ी ने टी20 सीरीज में पहले छह ओवरों में 74 रन बनाए और टीम के लिए जबरदस्त आधार तैयार किया। इससे पहले इस जोड़ी ने जिम्बाब्वे में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। तब शुभमन ने टीम की कमानी भी की थी। उथप्पा ने कहा कि शुभमन और जायसवाल की केमिस्ट्री और खेलने की शैली को देखकर ही उन्हें गांगुली और तेंदुलकर की जोड़ी की याद आ जाती है। इस जोड़ी ने 136 पारियों में 49.32 की औसत 6609 रन बनाए। उन्होंने 21 शतकीय साझेदारियां और 23 अर्धशतकीय साझेदारियां कीं, जिसने क्रिकेट में शुरुआती जोड़ियों के लिए एक उच्च मानक स्थापित हुआ। उथप्पा ने कहा कि जिस तरह से शुभमन और यशस्वी मैदान पर खेलते हुए दिखते हैं उससे सचिन-गांगुली की यादें ताजा हो गईं हैं।

भारत के लिए ओलंपिक खेलों की मेजबानी आसान नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत साल 2036 में ओलंपिक मेजबानी करना चाहता है पर ये इतना आसान नहीं है। ओलंपिक में दुनिया भर के खिलाड़ी भाग लेते है। ऐसे में इसके आयोजन और इंतजामों पर हजारों करोड़ रुपये का खर्च आता है हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की देखरेख में एक कमेटी आलोंपिक आयोजन के सपने को पूरा करने की तैयारियां कर रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो भारत 2036 आलोंपिक मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश करेगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस आलोंपिक 2024 की मेजबानी पर 10 बिलियन डॉलर (करीब 83,000 करोड़ रुपये) का खर्च आने की उम्मीद है। हालांकि यह बस अनुमान है। दरअसल, आलोंपिक खेलों में स्टेडियम और खेल

सुविधाओं के विकास के साथ पर्यटन, सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं के विस्तार पर मोटा खर्च आता है। ऐसे में छोटे देशों के लिए इसकी मेजबानी करना संभव नहीं होता है।

वहीं अंतरराष्ट्रीय आलोंपिक समिति के अनुसार, खेलों की मेजबानी से अधिक नौकरियां पैदा होती हैं। मेजबान देश में पर्यटन को बढ़ावा मिलता है और शहर को आर्थिक लाभ मिलता है। कम से कम 1960 के बाद से हर आलोंपिक मेजबान ने योजना से ज्यादा खर्च किया है। हर आलोंपिक खेलों का कैलेंडर लगभग सात साल पहले तय किया जाता है, चाहे उस समय की आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। हालांकि, कुल खर्च और कमाई के बारे में पारदर्शिता बहुत कम है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, लंदन आलोंपिक 2012 पर 16.8 बिलियन डॉलर (89,000 करोड़), रियो आलोंपिक 2016 पर 23.6 बिलियन डॉलर (1.55 लाख करोड़) और टोक्यो आलोंपिक 2020 पर 13.7 बिलियन डॉलर (1.04 लाख करोड़ रुपये) खर्च हुए थे। इन आंकड़ों को देखकर ये साफ है कि जिस देश को भी आलोंपिक की मेजबानी करनी होगी उसे एक मोटी रकम खर्च करनी होगी। इसलिए भारत को मेजबानी करनी है, तो एक मोटी रकम जोड़नी होगी। सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए भारत आलोंपिक की मेजबानी के लिए एक मजबूत दावेदार है। लेकिन भारत के सामने कई चुनौतियां होंगी और एक मजबूत रणनीति तैयार करनी होगी।

ओलंपिक में विजेताओं को इसबार पदक के साथ ही अन्य पुरस्कार भी मिल रहे

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में इस बार पदक विजेताओं को इस बार इनाम के साथ ही एक विशेष सुनहरा बॉक्स भी दिया जा है। इसमें अतिरिक्त पुरस्कार हैं जो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को दिये जा रहे हैं। पेरिस में इस बार खेलों के लिए विशिष पोस्टर को पेश करके पिछले ओलंपिक की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अलग और आकर्षक रवैया अपनाया गया है। यह पोस्टर कलाकार उगो गैटोनी ने विशेष रूप से लिए तैयार किया है। उगो को विश्व स्तर पर अपनी मनमोहक शैली के लिए जाना जाता है। इस कलाकार ने पोस्टरों के शानदार डिजाइन तैयार करने में ही छह महीने लगा दिये थे। आयोजकों का विजेताओं को गिफ्ट में पोस्टर देने का यह अनोखा कदम पेरिस 2024 को पिछले ओलंपिक से अलग बनाता है। 2020 टोक्यो ओलंपिक में एथलीटों को पीले, हरे और नीले फूलों के गुलदस्तों से सम्मानित किया गया जबकि रियो 2016 में पदक विजेताओं को आधिकारिक लोगो के मॉडल प्राप्त हुए। वहीं लंदन 2012 में पदक विजेताओं को फूल दिये गये। ये अतिरिक्त पुरस्कार शहर की गहरी सांस्कृतिक विरासत और जीवन में एक बार होने वाले ओलंपिक खेलों की प्रकृति के मिश्रण का प्रतीक है। पोडियम पर पहुंचने वालों को पोस्टर के अलावा ओलंपिक शुभंकर का स्टप टॉप भी दिया जा रहा है। पिछले वर्षों में खेलों का आधिकारिक शुभंकर कोई न कई जानवर रहा है पर इस बार फ्रीजियन टोपी को शुभंकर बनाया गया है। यह हेडवियर एरांस में लोकप्रिय है और यह उनकी स्वतंत्रता का प्रतीक है। शुभंकर का यह अनूठा संस्करण प्रमुखता से चित्रित रंगों के साथ स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं की उपलब्धियों का जश्न मनाता प्रतीत होता है। पदक के रंग को प्रदर्शित करते हुए उसे शुभंकर के पेट पर सिल दिया गया है, उसके जूतों को सुशोभित करता है, और उसकी पीठ पर 'ब्राये' लिखे अक्षरों में हाइलाइट किया गया है।

धोनी ने बुमराह को बताया पसंदीदा गेंदबाज, बोले बल्लेबाज बताना मुश्किल

कोलंबो (एजेंसी)। रांची (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा है कि उनके पसंदीदा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह है। धोनी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बुमराह अभी के दौर के उनके सबसे पसंदीदा गेंदबाज हैं और वह उनकी गेंदबाजी देखने का आनंद उठाते हैं। वहीं धोनी ने कहा कि उनके लिए अपना पसंदीदा गेंदबाज चुनना आसान है, क्योंकि वह बुमराह हैं पर बल्लेबाज चुनना कठिन है, क्योंकि इतने सारे अच्छे बल्लेबाज खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे गेंदबाज अच्छा नहीं कर है पर उनका मानना है कि इतने सारे बल्लेबाजों में से एक को चुनना कठिन है। वह किसी एक को नहीं चुनना चाहते। उम्मीद है कि वे सभी रन बनाते रहेंगे।

बुमराह की प्रशंसा आज दुनिया के कई दिग्गज क्रिकेटर करते हैं। उन्होंने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज के तौर पर अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निभाई है। टी20 विश्वकप में वह अर्शदीप सिंह के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 8 मैचों में कुल 15 विकेट लिए पर उनका इकॉनमी रेट सबसे बेहतर रहा। उन्होंने पूरे विश्व कप टूर्नामेंट के दौरान केवल 4.17 के इकॉनमी रेट से रन दिये जबकि टी20 क्रिकेट में ऐसा करना काफी कठिन माना जाता है।

श्रीलंका के खिलाफ विराट कोहली समेत अन्य खिलाड़ियों ने जानें क्यों बांधी है काली पट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ मैच खेलने मैदान में उतरी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली लगभग नौ महीने बाद एक दिवसीय मैच खेलने मैदान में उतरे है। वनडे जर्सी में खिलाड़ियों को देखकर फैंस काफी खुश है। इस दौरान खिलाड़ी बांह पर काली पट्टी बांधे नजर आए है।

दरअसल खिलाड़ियों ने कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच के दौरान पूर्व सलामी बल्लेबाज और कोच अंशुमान गायकवाड़ को श्रद्धांजलि दी है। बीसीसीआई ने कहा, 'टीम इंडिया पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अंशुमान गायकवाड़ की याद में आज काली पट्टी बांध रही है, जिनका बुधवार को निधन हो गया था।'

गायकवाड़ ने कैंसर से जंग के बाद बुधवार (जुलाई) को वडोदरा में अंतिम सांस ली। गायकवाड़ का अंतरराष्ट्रीय करियर एक दशक से भी ज्यादा लंबा रहा, जिस दौरान उन्होंने 40 टेस्ट मैच और 15 वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपनी ठोस तकनीक और दृढ़ निश्चय के लिए जाने जाने वाले, उन्होंने तेज गेंदबाजी के कुछ बेहतरीन दौरों का सामना करते हुए दृढ़ निश्चय दिखाया, उस समय जब सुरक्षात्मक उपकरण बहुत कम थे।

उच्चतम स्तर के बल्लेबाज के रूप में, श्री गायकवाड़ को सबसे ज्यादा 1976 में जमैका में खेली गई उनकी 81 रनों की साहसिक पारी के लिए याद किया जाता है, जहां उन्होंने कठिन पिच पर क्रूर गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना किया था, तथा 1983 में जालंधर में पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई 201 रनों की पारी के लिए याद किया जाता है, जहां उन्होंने 671 मिनट तक बल्लेबाजी की थी। उनका घरेलू रिकॉर्ड भी शानदार रहा, उन्होंने 200 से अधिक प्रथम श्रेणी मैचों में भाग लिया, जिसमें उन्होंने 34 शतकों और 47 अर्द्धशतकों सहित 12,000 से अधिक रन बनाए।

अपने खेल के दिनों के बाद भी गायकवाड़ ने भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रखा। उन्हें 1997 में मुख्य कोच नियुक्त किया गया और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने टीम को उल्लेखनीय सफलताएँ दिलाईं। उनके मार्गदर्शन में भारत ने 1998 में शारजाह में त्रिकोणीय टूर्नामेंट में विजय हासिल की तथा 1999 में नई दिल्ली में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में अनिल कुंबले ने ऐतिहासिक 10-74 रन बनाए।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने इसे भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी क्षति बताया। -अनुषुमान गायकवाड़ का निधन भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी क्षति है। खेल के प्रति उनका समर्पण, लचीलापन और प्यार बेमिसाल

था। वह सिर्फ एक क्रिकेटर ही नहीं थे, बल्कि कई लोगों के लिए एक गुरु और दोस्त भी थे। क्रिकेट समुदाय उन्हें बहुत याद करेगा और उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं, जो इस क्षति से उबर रहे हैं।'

श्रीलंकाई टीम को खेल के हालातों को समझना होगा : जयसूर्या

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने कहा कि उनकी टीम के खिलाड़ियों को जीत दर्ज करने के लिए खेल के प्रति जागरुकता बढ़ानी होगी। जयसूर्या के अनुसार उनकी टीम भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी और उसने एक के बाद एक विकेट खोये। उनके बल्लेबाजों ने कई बार अच्छी स्थिति में होने के बाद लगातार विकेट खोये जिससे टीम को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा है। जयसूर्या ने कहा, 'मुझे टीम में प्रतिबद्धता की कमी नहीं दिखती पर उन्हें दबाव से बेहतर तरीके से निपटना होगा। उन्हें मैच के हालातों को लेकर अपनी समझ बेहतर करनी होगी। हम इस हार की जिम्मेदारी ले रहे हैं। आप इससे दूर नहीं जा सकते। उन्होंने कहा, 'जब तक उन्हें इस बात का एहसास होगा हमें तब तक उन्हें विश्वास और समर्थन देते रहना होगा। जयसूर्या ने कहा कि बल्लेबाजों को लगातार छक्के लगाने की जरुरत नहीं है क्योंकि हमारे मैदान बड़े है और चौके तथा दो रन दौड़कर लेने से भी स्कोर बना जाता है। उन्होंने कहा, 'जब आप पावर हिटिंग के बारे में बात करते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि आपको उसकी जरुरत है। अगर आप पर्याप्त चौके और पर्याप्त दो रन लेते हैं, तो आपको वह स्कोर मिल जाता है जिसकी आपको जरुरत है। ऐसे में आप छक्के मारे बिना भी काम पूरा कर सकते हैं। इस पूर्व दिग्गज हरफनमौला ने कहा कि खिलाड़ियों को टी20 शृंखला जैसे खराब प्रदर्शन के बाद आलोचना स्वीकार करने के लिए तैयार रहना चाहिए। साथ ही कहा कि सभी खिलाड़ियों को इस प्रकार के हालातों का सामना करना पड़ता है।

राज्य सरकार की नि:शुल्क योजना से प्रेरित होकर जागरूक एवं समर्पित शिक्षक दानदाताओं के सहयोग से गरीब-मध्यम वर्ग के विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रहे हैं

सूरत । अगर मन में सच्ची समाज सेवा, जरूरतमंद लोगों की मदद करने की भावना हो तो समाज के अन्य दानी लोग भी मदद के लिए आगे आते हैं। इस बात को सच साबित कर दिखाया है गुजरात के संकल्प एजुकेशन ग्रुप ने. शिक्षकों और सरकारी अधिकारियों वाले इस ग्रुप के सदस्य व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से डिजिटल तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करके जरूरतमंद छात्रों और नागरिकों की आर्थिक मदद कर रहे हैं। समाज में आर्थिक रूप से जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई में मदद करने के इरादे से सितंबर-2023 से व्हाट्सएप ग्रुप की शुरुआत की गई और एक छोटे से इरादे से शुरू किए गए इस ग्रुप से 10 महीने के अंदर 10 हजार सदस्य जुड़ गए हैं। यदि इनमें से कोई भी सदस्य बच्चों की मदद करना चाहता है, तो वे समूह में विवरण पोस्ट कर सकते हैं और व्यव-स्थापक को दान राशि का ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। कुल 10 व्हाट्सएप ग्रुप कार्यरत हैं, जिनमें प्रत्येक ग्रुप में 1024 सदस्य हैं। समाज सेवा के मुख्य उद्देश्य के साथ कार्य करते हुए जागरूक एवं परोपकारी नागरिकों का यह समूह अब तक 67 जरूरतमंद विद्यार्थियों को 12 लाख रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान कर चुका है।

आदिवासी उच्च शिक्षा चाहने वाले गरीब विद्यार्थियों को नि:शुल्क शीप कार्ड योजना से जागरूक करने के साथ-साथ सरकार एवं सहयोग के समन्वय से आदिवासी क्षेत्र के युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

आमतौर पर व्हाट्सएप ग्रुप का उपयोग गपशप, मजेदार पोस्ट साझा करने, शैक्षणिक या व्यावसायिक उद्देश्य के लिए किया जाता है, लेकिन नेक उद्देश्यों के लिए व्हाट्सएप ग्रुप का उपयोग करना इन शिक्षक मित्रों से सीखने जैसा है।

बिचाबिज को सूरत जिले में लगाया गया था और एक साल के भीतर यह छोटाउदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, नवसारी, वलसाड और डांग तक बरगद के पेड़ के रूप में फैल गया है। समूह सदस्यों के सहयोग से अब संकल्प एजुकेशन ग्रुप को 2,80,960 रुपये का फंड मिल गया है, जिससे जरूरतमंद बच्चों को स्कूल फीस, वर्दी, जूते, किताबें, स्टेशनरी, खेल किट जैसी विभिन्न वित्तीय सहायता दी जाती है।

पेशे से शिक्षक और नवसारी जिले के महुदी के मूल निवासी मिनेशभाई पटेल, जो भरूच जिले के जुकनिया में रहते हैं, इस समूह के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि छात्रावासों या आश्रमशालाओं में रहने वाले, गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चे बिना फीस या शैक्षणिक सामग्री के अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़ें, इसके लिए उन्हें नोटबुक, कंबल, स्टडी किट दी जानी चाहिए, जो यदि बच्चों के पास न तो नवनीत है और न ही गाइड, दो ग्रुप के 10 हजार से ज्यादा सदस्य बच्चों के बीच सेट, यूनिफॉर्म, कपड़े जैसी जरूरी चीजें उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना समाज का उद्धार नहीं हो सकता। नई पीढ़ी को शिक्षित करने से ही समाज तेजस्वी, सदस्य और प्रतिभावान बनेगा। अगर बच्चा पढ़ाई में होशियार है लेकिन उसे फीस भरने में दिक्कत आती है तो हम जानकारी लेकर ऐसे बच्चों की आर्थिक मदद करते हैं। जन जागरूकता आने पर छोटे-छोटे लोग भी जरूरतमंदों की मदद के लिए ऐसे सेवा कार्यों के लिए आगे आएंगे।

पिछले 20 वर्षों में राज्य सरकार के आदिवासी उत्थान के प्रयास अच्छे परिणाम दे रहे हैं। जिसमें समाज सेवी संस्थाओं का सहयोग भी सराहनीय है। मांडवी एकीकृत जनजातीय विकास जनजातीय उपयोजना के तहत वनबंधु कल्याण योजना के तहत सूरत जिले के नौ (9) तालुकाओं उमरपाड़ा, मांगरोल, बारडोली, महुवा, पलसाना, कामरेज, ऑलपाड, चोर्यासी में आदिवासी समुदायों को सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। आदिवासी छात्रों को सरकारी स्कूलों, यू.बी. आश्रम स्कूलों, आश्रमशालाओं, छात्रावासों, आंगनबाड़ियों में शैक्षणिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ-साथ शैक्षिक और भौतिक सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। जिले में विशेष रूप से चार एकलव्य मॉडल स्कूल और एक सैनिक स्कूल संचालित हो रहे हैं। जिसमें कुल 1200 बच्चे नि:शुल्क पढ़ रहे हैं।

संकल्प एजुकेशन ग्रुप की सहायता मेरी पढ़ाई और फीस भरने में बहुत उपयोगी साबित हुईः लाभार्थी प्रिंस वसावा, करुंथा गांव, मांडवी

मांडवी तालुक के करुंथा गांव के मूल निवासी प्रकाशभाई वसावा के बेटे प्रिंस को पिछले साल खेड़ा जिले के करमसद में प्रमुचवामी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में प्रवेश मिला था। मिली मदद पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए प्रिंस वसावा ने कहा कि श्री शैलेशभाई वसावा, जो इस समूह के सदस्य और शिक्षक हैं, ने समूह से वित्तीय सहायता का अनुरोध किया क्योंकि मेरे परिवार की वित्तीय स्थिति खराब है। उस वक्त संकल्प ग्रुप ने मुझे 20 हजार रुपये की तत्काल सहायता दी. यह सहायता मेरी पढ़ाई और फीस भरने में बहुत उपयोगी साबित हुई।

टी एंड टीवी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में मनाया गया स्तनपान सप्ताह

सूरत। दुनिया भर में स्तनपान को बढ़ावा देने और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए हर साल 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। फिर टी एंड टी.वी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, सूरत की ओर से स्तनपान सप्ताह मनाया गया। अश्कताश्रम ट्रस्ट के संस्थापक एनल मर्चेंट ब्रेस्ट फीडिंग वीक समारोह के आरंभकर्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्तनपान पर एक पैनल चर्चा हुई, जिसमें छात्रों ने इसके महत्व और सर्वोत्तम प्रथाओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

एमएस। ओबीजी की अग्रणी चिकित्सक डॉ. संध्याबेन छास्तिया ने कहा, स्तनपान मां और बच्चे के बीच मधुर रिश्ते की शुरुआत है। स्तनपान शिशु और माँ दोनों के लिए जीवनदायी है। यह बच्चे के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास में मदद करता है। स्तन के दूध में हार्मोन, पोषक तत्व, विकास कारक और एंटीबॉडी होते हैं जो शिशुओं की जरूरतों को पूरा करते हैं।

इस अवसर पर गुजरात नर्सिंग काउंसिल की आई.ए. इकबाल कड़ीवाला ने विकासशील देशों में शिशु मृत्यु दर को कम करने में अपनी भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि बच्चे के जन्म के बाद नवजात के लिए मां का दूध अमृत के समान है। यह स्तनपान की सुरक्षा, प्रचार और समर्थन के लिए डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ की वार्षिक पहल का फोकस है। मां का दूध नवजात शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। इतना ही नहीं, स्तनपान न सिर्फ बच्चों के लिए बल्कि मां के लिए भी जरूरी है।

टी एंड टीवी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल प्रोफेसर किरण डोमडिया ने स्तनपान और मां के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में नर्सिंग छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि नवजात शिशुओं और माताओं की देखभाल में दाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्तनपान मां और बच्चे दोनों के लिए फायदेमंद होता है। मां का दूध बच्चों को संक्रमण, दस्त और उल्टी से बचाता है।

महिला एवं बाल अधिकारी कार्यालय द्वारा कतारगाम के अक्षर ज्योति हाई स्कूल में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' उत्सव मनाया गया

सूरत । महिला एवं बाल अधिकारी कार्यालय की ओर से 2 अगस्त को शहर के कतारगाम स्थित अक्षर ज्योति हाई स्कूल में ञ्नारी वंदन उत्सव-2024ज के तहत ञ्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओज दिवस मनाया गया. जिसमें 6वीं से 11वीं कक्षा तक के लगभग 250 विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा साइबर अपराध, लैंगिक समानता, महिला उन्मुख योजना और महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न कानूनों के बारे में जानकारी दी गई।

जिला पंचायत स्वास्थ्य विभाग की किरणबेन देसाई ने कहा कि जातिगत भेदभाव को दूर करने के साथ-साथ महिलाओं को समाज में सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। बेटियां कल का भविष्य हैं। इसलिए गर्भ में पल रहे बच्चे के लिंग का परीक्षण नहीं करना चाहिए बल्कि उसे स्वस्थ और सेहतमंद बनाने के लिए लिंग का परीक्षण करना चाहिए। फास्ट फूड और टेक्नोलॉजी के युग में महिलाओं और बच्चों को खान-पान पर पर्याप्त ध्यान देना होगा। इसके अलावा, किरणबेन ने कहा कि सभी ने मानसून के मौसम में त्वचा की देखभाल के लिए स्वच्छ रहने का अनुरोध किया।

जिला मिशन समन्वयक श्री स्मिताबेन पटेल ने कार्यक्रम में उप-स्थत बच्चों एवं अभिभावकों को लैंगिक समानता के बारे में समझाते हुए कहा कि समाज को पुरूष एवं महिला एवं तृतीय लिंग के बारे में गलतफहमियों से बचना चाहिए। यदि संसार, संसार, पदानुक्रम में कोई महिला नहीं है, तो कुछ भी संभव नहीं है। माँ, बहन, पत्नी आदि नारी संबंधों से ही संसार कायम है। केवल एक प्राणी ही दूसरे प्राणी को जन्म दे सकता है। उन्होंने आगे कहा कि समाज में लिंग आधारित सेक्स स्वाभाविक है.

स्मिता पटेल ने आगे कहा कि, महिला हेल्पलाइन, सखी वन स्टॉप सेंटर, 181 अभयम, महिला स्वावलंबन योजना, विधवा सहाय योजना, विधवा पुनर्विवाह सहाय योजना, वली डोटी योजना, महिला संरक्षण गृह, पीबीएससी सेंटर समेत महिला केंद्रित योजनाओं की जानकारी दी. पहल एवं बहुआयामी योजनाओं का लाभ उठाने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर महिला बाल विकास कचहरी के महेशभाई परमार ने बच्चों को साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी। विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध जैसे निवेश धोखाधड़ी, कूरियर कंपनी धोखाधड़ी, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी, पुलिस के नाम पर धोखाधड़ी, छेड़छाड़ की गई तस्वीरें और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बचने के बारे में बताया गया। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से मोबाइल फोन का विवेकपूर्ण उपयोग करने का भी अनुरोध किया और कहा कि साइबर अपराध का शिकार होने पर बिना किसी डर के साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

नारी वंदन उत्सव के अवसर पर वली डिकरी योजना के स्वीकृति पत्र गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वितरित किये गये। इस अवसर पर जिला पंचायत स्वास्थ्य विभाग योगिताबेन देसाई, योगी प्रवृत्ति विद्यालय प्राचार्य मनीषाबेन परमार, महिला सुरक्षा समिति के सदस्य, शी टीम, पीबीएससी, 181 महिला हेल्पलाइन, सखी वन स्टॉप सेंटर के अधिकारी, ओएससी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, स्कूल के शिक्षक, अभिभावक सहित छात्र उपस्थित थे।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ खून से संबंधित सबसे दुर्लभ बीमारियों में से एक, थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा (TTP) से पीड़ित 61 वर्षीय महिला का सफलतापूर्वक इलाज किया

अहमदाबाद। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा (TTP) से पीड़ित एक महिला का सफलतापूर्वक इलाज करके एक बार फिर से चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट की मिसाल कायम की है। थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा (TTP) खून से संबंधित एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी है, जो दुनिया भर में 10 लाख लोगों में से किसी एक को अपनी चपेट में लेता है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में हेमेटोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. कौमिल पटेल इस मरीज का इलाज करने वाली टीम की कमान संभाल रहे थे।

TTP, यानी थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा खून से संबंधित एक दुर्लभ बीमारी है, जिसमें पूरे शरीर में छोटे ब्लड वेसल्स में खून के थक्के बनने लगते हैं। इन थक्कों के कारण प्लेटलेट की संख्या में कमी (थ्रोम्बोसाइटोपेनिया) हो सकती है, रेड ब्लड सेल्स नष्ट (हेमोलिटिक एनीमिया) हो सकते हैं और सीमित मात्रा में खून के बहन की वजह से शरीर के अंगों को नुकसान हो सकता है। चिकित्सा जगत में TTP को एक आपात स्थिति माना जाता है, तथा इससे जुड़ी गंभीर जटिलताओं या मौत को रोकने के लिए तुरंत इलाज करना बेहद जरूरी हो जाता है। प्लाज़्मा एक्सचेंज थेरेपी (प्लाज़्माफेरेसिस) इसका प्राथमिक उपचार है, जिसमें बीमारी के लिए जिम्मेदार एंटीबॉडीज़ को शरीर से बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ प्लाज़्मा से बदल दिया जाता है।

61 साल की सीमा देवी इस बीमारी से पीड़ित थीं, जिन्हें हीमोग्लोबिन और प्लेटलेट के गंभीर रूप से कम स्तर के साथ मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के आपातकालीन सेवा विभाग में लाया गया था। जब उसे डॉक्टरों के पास लाया गया, तो उसमें गंभीर रूप से कमजोरी, त्वचा पर नीले निशान और कई अंगों में खराबी के लक्षण दिखाई दे रहे थे। शुरुआती जाँच और चिकित्सकीय कौशल से जल्दी ही पता चल गया कि वह TTP से पीड़ित थीं। TTP की वजह से मरीज अस्पताल में भर्ती होते समय कई तरह की जटिलताओं का सामना कर रही थीं, जिसका असर उनके फेफड़ों, किडनी, हार्ट और ब्रेन पर भी पड़ा था।

उनका इलाज करने वाले हेमेटोलॉजिस्ट, डॉ. कौमिल पटेल और समर्पित आईसीयू टीम ने यह सुनिश्चित किया कि उनकी बीमारी से जुड़ी हर जटिलता का विशेषज्ञ तरीके से इलाज किया जाए। उनकी हालत को स्थिर करने और अधिक बिगड़ने से रोकने के लिए उपचार के विभिन्न क्षेत्र के चिकित्सा विशेषज्ञों का सहयोग बेहद जरूरी था। प्लाज़्मा एक्सचेंज थेरेपी (प्लाज़्माफेरेसिस) तुरंत शुरू की गई, जो TTP के इलाज का एकमात्र कारगर तरीका है। उपचार की इस विधि में, मरीज के खून से प्लाज़्मा निकाला जाता है और उन्हें स्वस्थ प्लाज़्मा से बदल दिया जाता है। उनकी सेहत में सुधार लाने में पल्मोनोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी और न्यूरोलॉजी सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों द्वारा साथ मिलकर किए गए प्रयास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

TTOP से पीड़ित मरीजों का ठीक होना बहुत मुश्किल होता है, जिसमें उन्हें इलाज के लिए 58 दिनों तक लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ता है। इस अवधि के दौरान, मरीज को कई बार प्लाज्मा एक्सचेंज सेशन, गहन निगरानी तथा विशेष अंगों की जटिलताओं के लिए उपचार की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसमें पीड़ित मरीजों के ठीक होने में चिकित्सकों की टीम की लगातार कोशिश और मरीज की शारीरिक क्षमता सबसे ज्यादा मायने रखती है। अस्पताल से छुट्टी मिलते समय मरीज की सेहत काफी अच्छी होती है, और इस मरीज के मामले में भी ऐसा ही था। अस्पताल से छुट्टी मिलते समय उनके हीमोग्लोबिन एवं प्लेटलेट का स्तर स्थिर था, साथ ही अंगों में खराबी के कोई लक्षण नहीं थे। उनकी सेहत उल्लेखनीय रूप से बेहतर हुई, जो मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में उपलब्ध अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं तथा अस्पताल द्वारा बड़े पैमाने पर मरीजों की भलाई के लिए अपनाये गए तरीकों की मिसाल है।

डॉ. कौमिल पटेल, सीनियर कंसल्टेंट, हेमेटोलॉजी विभाग, ने कहा, "थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा का इलाज करना चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहतर परिणाम देने वाला भी है। इस बीमारी में बड़े पैमाने पर माइक्रोवैस्कुलर क्लॉटिंग होती है, और अगर इसका तुरंत इलाज नहीं किया जाए तो यह तेज़ी से जानलेवा बन सकती है। हम प्लाज़्मा एक्सचेंज थेरेपी की मदद से इसका प्राथमिक उपचार करते हैं। यह इलाज की एक महत्वपूर्ण विधि है, जो तथा मृत्यु दर को काफी हद तक कम करने के साथ-साथ लंबे समय के परिणामों में सुधार कर सकती है। इसमें बीमारी पैदा करने वाले एंटीबॉडीज़ को शरीर से बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ प्लाज़्मा से बदल दिया जाता है, जो प्लेटलेट्स और रेड ब्लड सेल्स को नष्ट होने से रोकने में मदद करता है। हालाँकि इसके उपचार की प्रक्रिया काफी गहन है और इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करने की जरूरत होती है, लेकिन पूरी तरह स्वस्थ होने की संभावना इसे और भी अधिक आवश्यक बना देती है। ञ्झ्ञ्क्क से पीड़ित किसी मरीज को ठीक होते हुए देखना, सही मायने में हीमेटोलॉजी में सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक है।"

डॉ. कौमिल पटेल ने TTP जैसी खून से संबंधित बीमारियों को ठीक करने में शुरुआत में इसकी पहचान के साथ-साथ तुरंत उपचार शुरू करने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "इसके लक्षणों का संदेह होने पर जल्द-से-जल्द इसकी पहचान करना और बिना देरी के तुरंत इलाज शुरू करना, मरीज के लिए परिणामों को बेहतर बनाने में सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों का साथ मिलकर काम करना भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ डॉक्टर जब एकजुट होकर कोशिश करते हैं, तो इस तरह के मामलों की जटिलताओं को संभालने और मरीज के लिए सबसे बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलती है।"

लोढ़ा की सार्वजनिक सूचना: कंपनियों की विशिष्टता

लोढ़ा को अयोध्या और गोवा में नियोजित विकास और/या होटलों के निर्माण के बारे में पूछताछ मिल रही है। घर खरीदारों और हितधारकों के बीच स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए, डेवलपर ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया है जिसमें कहा गया है कि लोढ़ा का उल्लिखित कंपनियों के साथ कोई संबंध नहीं है।

कृपया ध्यान रखें कि लोढ़ा भारत का नं. 1 एक रियल एस्टेट डेवलपर* है, जो मुंबई (एमएमआर), पुणे और बैंगलोर में काम कर रहा है। इसकी अयोध्या या गोवा में कोई परियोजना नहीं है। लोढ़ा का हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा (HoABL) या मिलते-जुलते नाम या लोगो का उपयोग करने वाली किसी अन्य कंपनी से कोई संबंध नहीं है।

संभावित घर खरीदारों और हितधारकों को लोढ़ा परियोजनाओं की पहचान करने में मदद करने के लिए, बेहतर स्पष्टता और विश्वसनीयता के लिए लोढ़ा की आधिकारिक वेबसाइट www.lodha-group.com पर जाने की सिफारिश की जाती है।

रितेश खोसला को सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया का जनरल काउंसिल नियुक्त किया गया है

मुंबई।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि रितेश खोसला को 1 सितंबर, 2024 से नए जनरल काउंसिल के रूप में नियुक्त किया गया है। वह अशोक नाम्बीसन का स्थान लेंगे, जो कंपनी में एक विशिष्ट करियर के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं

एसपीएनआई में शामिल होने से पहले रितेश ने एक वकील के रूप में अपना करियर शुरू किया और एसपीएनआई में शामिल होने से पहले एक लॉ फर्म में प्रैक्टिस की, जहां वह लगातार आगे बढ़े और पिछले छह वर्षों से डिप्टी जनरल काउंसिल के रूप में काम कर रहे हैं। दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, उनकी विशेषज्ञता में विलय और अधिग्रहण, संयुक्त उद्यम, नियामक ढांचे, अनुपालन, कॉर्पोरेट प्रशासन, जटिल मुकदमेबाजी और बौद्धिक संपदा अधिकार, सुरक्षा और प्रवर्तन शामिल हैं।

अपनी नियुक्ति पर विचार करते हुए, रितेश खोसला ने कहा: "सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया में जनरल काउंसिल बनने पर मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यहां मेरी यात्रा अविश्वसनीय रूप से समृद्ध रही है, और मैं हमारी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करना जारी रखने के लिए उत्सुक हूं। यह भूमिका एक अनूठी पेशकश करती है।" एक मजबूत कानूनी नींव बनाने का अवसर। मैं कानूनी और नैतिक आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने और अपने दर्शकों को असाधारण सामग्री और अनुभव प्रदान करने के सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

अपनी नई भूमिका में, रितेश सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के कॉर्पोरेट संबंध, कानूनी और नियामक मामले, सचिवीय और मानक और अभ्यास कार्यों की देखरेख करेंगे। वह जोखिम और कानूनी मार्गदर्शन प्रदान करेगा, कंपनी के कानूनी जोखिमों का प्रबंधन करेगा और कंपनी के लोकपाल के रूप में काम करेगा।

वह सीधे सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ को रिपोर्ट करेंगे। अपने मुख्य कर्तव्यों के अलावा, रितेश सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के अनुपालन ढांचे को बढ़ाने की पहल का नेतृत्व करेंगे, विशेष रूप से डिजिटल और बौद्धिक संपदा अधिकारों में। वह अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कंपनी के कानूनी ढांचे को भी मजबूत करेंगे और एसपीएनआई की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल की देखरेख करेंगे, उन्हें कानूनी और नैतिक मानकों के साथ जोड़ेंगे। संगठन के भीतर उभरती कानूनी प्रतिभा को सलाह देने और विकसित करने के लिए रितेश का समर्पण कंपनी के भविष्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)